page 1 and 8 jan 18_page 1 Mar 25 final ds.qxd 18-01-2025 06:25 Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 वेलनेस कॉन्क्लेव में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा दिया

5 अखिल भारतीय शतरंज महासंघ ने विश्व चैंपियन मुकेश और रैपिड चैंपियन कोनेरू को किया सम्मानित

8 पौधों में कटाई - छंटाई, सर्दियों में उचित प्रबंधन अपनाएं

मौसम जम्मू — न्यूनतम 9 — अधिकतम 18

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-17 | जम्मू तवी, शनिवार 18 जनवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्वास्थ्य और पुलिस विभाग को जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए

बुद्धल में रहस्यमयी मौतें

जम्मू 17 जनवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राजौरी जिले के बुद्धल गांव में भयावह स्थिति पर चर्चा करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जहां रहस्यमयी मौतों ने 16 लोगों की जान ले ली है, जबकि एक और पीड़ित की अज्ञात बीमारी के कारण मौत हो गई।

बैठक में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, मुख्य सचिव अटल डुल्लू, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, एडीजीपी जम्मू आनंद जैन, संभागीय आयुक्त जम्मू रमेश कुमार, सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह और अन्य वरिष्ठ चिकित्सा एवं पुलिस अधिकारी शामिल हुए।

सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा ने मुख्यमंत्री को अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने प्रभावित क्षेत्र में 3,000 से अधिक निवासियों का घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया है, जिसमें पानी, भोजन और अन्य सामग्रियों के नमूने एकत्र किए गए हैं और उनकी जांच की गई है।

उन्होंने बताया कि इन्फ्लूएंजा और अन्य संभावित संदूषकों सहित सभी परीक्षण परिणाम नकारात्मक आए हैं। बैठक में बताया गया कि आईसीएमआर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफवायरोलॉजी, नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, सीएसआईआर, डीआरडीओ और पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ सहित प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा अतिरिक्त परीक्षण किए गए, लेकिन मौतों का कोई निश्चित कारण नहीं पता चला।

पुलिस अधिकारियों ने बैठक में बताया कि मौतों के मूल कारण का पता लगाने के लिए जांच चल रही है, जो एक दूसरे से 1.5 किलोमीटर के भीतर रहने वाले तीन परिवारों तक सीमित है। स्थिति की गंभीरता को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्वास्थ्य और पुलिस विभागों को अपनी जांच में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, इन मौतों की अस्पष्ट प्रकृति बेहद चिंताजनक है और सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि मूल कारण की जल्द से जल्द पहचान की जाए। मैं सभी विभागों से सहयोग करने और इस मुद्दे को हल करने में कोई कसर नहीं छोड़ने का आग्रह करता हूं।

बैठक के दौरान इस बात पर भी जोर दिया गया कि स्वास्थ्य विभाग पिछले 40 दिनों से क्षेत्र में सक्रिय रूप से मौजूद है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस, दवाएं और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है।

शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने जनता को आश्वस्त किया कि प्रशासन स्थिति को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ देख रहा है। उन्होंने कहा, ‘हमारे नागरिकों का स्वास्थ्य और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार इस संकट को हल करने और प्रभावित परिवारों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

एम्स अवंतीपोरा के नवंबर 2025 तक चालू होने की उम्मीद

मुख्य सचिव ने जनशक्ति बढ़ाने और तेजी से काम पूरा करने के लिए प्रयास तेज करने को कहा

जम्मू 17 जनवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अवंतीपोरा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, पीडब्ल्यूडी, जल शक्ति और सीपीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ क्षेत्र में इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा के जल्द पूरा होने के संबंध में एक संयुक्त बैठक की।

बैठक में कार्यकारी निदेशक एम्स अवंतीपोरा, संभागीय आयुक्त कश्मीर, सचिव, पीडब्ल्यूडी, सचिव, एचएंडएमई, उपायुक्त, पुलवामा, मुख्य अभियंता, सीपीडब्ल्यूडी, डीजी, बजट के अलावा अन्य सम्बंधित वरिश्ठ अधिकारी शामिल थे।

मुख्य सचिव ने साइट पर अब तक बनाए गए भौतिक बुनियादी ढांचे की स्थिति का आकलन किया और इसके पूरा होने की प्रस्तावित तिथियों का भी जायजा लिया। उन्होंने वहां काम के निष्पादन के लिए उपलब्ध मजदूरों की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी ली और एजेंसी को सर्दियों के मौसम के खत्म होने के तुरंत बाद उनकी संख्या बढ़ाने के लिए कहा।

उन्होंने जलापूर्ति योजना और संस्थान तक जाने वाली पहुंच सड़क का भी जायजा लिया। उन्होंने जल शक्ति विभाग को निर्देश दिया कि वे इस साल मई तक जल शक्ति योजना के पहले चरण को पूरा करें, जिसमें 3 बोरवेल और अन्य संबंधित कार्य शामिल हैं, ताकि अस्पताल को पर्याप्त पानी की आपूर्ति की जा सके। अटल डुल्लू ने इस परियोजना के भविष्य के विस्तार के लिए अतिरिक्त भूमि और अन्य आवश्यकताओं का आकलन किया। उन्होंने कार्यकारी निदेशक से प्रशासनिक सहायता के योग्य किसी भी लंबित मुद्दे के बारे में पूछा और साथ ही उन्हें हर संभव सहायता देने का आष्वासन दिया।

एम्स अवंतीपोरा के कार्यकारी निदेशक डॉ. सचिदानंद मोहंती ने इस सुविधा की तैयारी का समग्र परिदृश्य प्रस्तुत किया तथा प्रत्येक ब्लॉक के पूरा होने की संभावित तिथियों के बारे में भी बताया।

उन्होंने बताया कि संस्थान ने यहां बनने वाले सभी 57 ब्लॉकों पर लगभग 61 प्रतिषत की समग्र भौतिक प्रगति हासिल कर ली है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष नवंबर के अंत तक संस्थान के चालू हो जाने की संभावना है। बैठक में प्रत्येक ब्लॉक के पूरा होने में लगाए गए विस्तृत श्रम बल के बारे में भी जानकारी दी गई। बताया गया कि ठंड के मौसम के कारण श्रमिक पलायन कर गए हैं तथा वर्तमान में केवल आंतरिक कार्य चल रहे हैं, जिसमें लगभग 850 कुशल/अर्ध-कुशल/अकुशल श्रमिक हैं, जबकि पहले मौसम ठीक रहने पर इनकी संख्या लगभग 2400-2500 हुआ करती थी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त इस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सभी 6 अस्पताल ब्लॉक, 4 शैक्षणिक ब्लॉक, 16 आवासीय ब्लॉक, 12 छात्रावास ब्लॉक के साथ-साथ आयुष ब्लॉक, रात्रि आश्रय तथा अतिथि गृह पर कार्य चल रहा है।

गोवंश तस्करी का प्रयास विफल, 20 गोवंश को बचाया गया

जम्मू, 17 जनवरी । जम्मू पुलिस ने ऑपरेशन *कामधेनु* के तहत गोवंश तस्करों के खिलाफ अपना शिकंजा कसते हुए पुलिस स्टेशन बिशनह की टीम ने एक गोवंश तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया है जिसमें वाहन ट्रक पंजीकरण संख्या एचपी 73 3535 से 20 गोवंश को बचाया गया जो जम्मू से कश्मीर घाटी की ओर आ जा रहा था। पूरा ऑपरेशन एसडीपीओ आरएस पुरा और एसपी मुख्यालय जम्मू की देखरेख में चलाया गया। इस संबंध में पुलिस स्टेशन बिश्नाह में मामला एफआईआर संख्या 07/2025 यू/एस 305/3(5),125,132 बीएनएस, 11/पीसीए एक्ट के तहत दर्ज किया गया है

उपराज्यपाल ने राकेश कुमार को प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने पर दी बधाई

श्रीनगर, 17 जनवरी । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को राकेश कुमार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई दी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने प्रशंसा करते हुए कहा कि राकेश ने जम्मू-कश्मीर और राष्ट्र को बहुत गौरव दिलाया है। उपराज्यपाल ने एक्स के माध्यम से कहा कि राकेश कुमार को माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई। राकेश ने जम्मू-कश्मीर और राष्ट्र को बहुत गौरव दिलाया है। उन्होंने अपने धैर्य और दृढ़ संकल्प से युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। उनकी निरंतर सफलता और अधिक गौरव की कामना करते हैं।

सुरक्षाबलों ने बिलावर इलाके में तलाशी अभियान किया शुरू

जम्मू, 17 जनवरी । भारतीय सेना के विशेषबलों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ मिलकर जम्मू संभाग के कठुआ जिले के बिलावर इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया है। सूत्रों ने बताया कि जिले के ऊपरी इलाकों में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद यह अभियान शुरू किया गया। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और संदिग्ध आतंकवादियों का पता लगाने के लिए व्यापक तलाशी अभियान चला रहे हैं।

रूसी सेना में सेवा देने वाले 12 भारतीयों की मौत, 16 लापता

नई दिल्ली, 17 जनवरी। यूक्रेन के साथ जारी संघर्ष के दौरान रूसी सेना में सेवायें दे रहे 12 भारतीयों की मौत हो चुकी है और 18 भारतीय लापता हैं। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां दी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में केरल के बिनिल बाबू की हाल ही में रूसी सेना में सेवाएं देते हुए हुई मौत को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि हमने पीड़ित परिवार के साथ अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

राजौरी के बडाल गांव में 16 लोगों की रहस्यमय मौतों पर 3,000 से अधिक घरों का हुआ सर्वेक्षण

जम्मू, 17 जनवरी । राजौरी जिले के बडाल गांव में हुईं 16 लोगों की रहस्यमय मौतों पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उच्च स्तरीय बैठक की।स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सचिव ने मुख्यमंत्री को अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री को बताया गया कि स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने प्रभावित क्षेत्र में 3,000 से अधिक निवासियों का घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया है तथा पानी, भोजन और अन्य सामग्रियों के नमूने एकत्रित कर उनकी जांच की है।

बैठक में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, मुख्य सचिव अटल डुल्लू, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, एडीजीपी जम्मू आनंद जैन, संभागीय आयुक्त जम्मू रमेश कुमार, सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह तथा अन्य वरिष्ठ चिकित्सा एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि आईसीएमआर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, सीएसआईआर, डीआरडीओ और पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ सहित प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों ने अतिरिक्त परीक्षण किए, लेकिन मौतों का कोई निश्चित कारण नहीं पता चला। पुलिस अधिकारियों ने बैठक में बताया कि मौतों के मूल कारण का पता लगाने के लिए चल रही जांच 1.5 किलोमीटर के भीतर रहने वाले तीन परिवारों तक सीमित है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्वास्थ्य और पुलिस विभागों को अपनी जांच में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इन मौतों की अस्पष्ट प्रकृति बेहद चिंताजनक है और सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि मूल कारण की जल्द से जल्द पहचान की जाए। मैं सभी विभागों से सहयोग करने और इस मुद्दे को हल करने में कोई कसर नहीं छोड़ने का आग्रह करता हूं। बैठक के दौरान इस बात पर भी जोर दिया गया कि स्वास्थ्य विभाग पिछले 40 दिनों से इलाके में सक्रिय रूप से मौजूद है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एंबुलेंस, दवाइयां और आवश्यक सुविधाएं मुहैया करा रहा है।

शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने जनता को आश्वस्त किया कि प्रशासन इस स्थिति को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ देख रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे नागरिकों का स्वास्थ्य और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सरकार एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की कल्पना करती है जो समावेशी, शोध-उन्मुख और वैश्विक मानकों के अनुरूप हो: सकीना इत्तू

सांबा 17 जनवरी। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने श्री पंडित प्रेम नाथ डोगरा सरकारी डिग्री कॉलेज, सांबा में 'गणित विज्ञान और अनुप्रयोग' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।

सांबा के विधायक सुरजीत सिंह सलाथिया, चडूरा के विधायक अली मोहम्मद डार, जैनापोरा के विधायक शौकत अहमद, उच्च शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव शांतमनु, सांबा के उपायुक्त राजेश शर्मा, कॉलेज निदेशक प्रो. शेख एजाज बशीर, क्लस्टर विष्वविद्यालय के डीन, जम्मू संभाग के विभिन्न कॉलेजों के प्रिंसिपल और बड़ी संख्या में छात्र भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए, मंत्री ने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति पर प्रकाश डाला और इन सम्मेलनों के दौरान बौद्धिक आदान-प्रदान के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की। मंत्री ने कहा, इस तरह के सम्मेलन विचारों के आदान-प्रदान, शोध को बढ़ावा देने और सहयोगी नेटवर्क बनाने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करते हैं जो हमारे क्षेत्र की शैक्षणिक और व्यावहारिक उन्नति में योगदान करते हैं। मंत्री ने शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, संस्थान को उत्कृष्टता की खोज जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि सरकार एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की कल्पना करती है जो समावेशी, शोध-उन्मुख और वैश्विक मानकों के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, नवीन शिक्षण विधियों को शुरू करने और अंत:विषय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एनईपी-2020 के अनुसार पहल की जा रही है।

मंत्री ने अकादमिक और बुनियादी ढांचे के विकास दोनों में गुणवत्ता उन्नयन के लिए कॉलेज को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। अपने संबोधन में, विधायक सांबा, सुरजीत सिंह सलाथिया ने एक व्यावहारिक सम्मेलन आयोजित करने में कॉलेज के प्रयासों की सराहना की।

सभा को संबोधित करते हुए, अतिरिक्त मुख्य सचिव एचईडी ने तकनीकी नवाचार और समस्या-समाधान में गणित की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

उपराज्यपाल ने दूरदर्शन समाचार जम्मू द्वारा विधानसभा चुनाव कवरेज पर कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया

जम्मू 17 जनवरी। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने दूरदर्शन समाचार जम्मू द्वारा विधानसभा चुनाव कवरेज पर कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने दूरदर्शन की क्षेत्रीय समाचार इकाई और संपादकीय टीम को बधाई दी। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को चुनावी प्रक्रिया के बारे में सूचित करने और शिक्षित करने के लिए उनके समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए आरएनयू टीम के सदस्यों की सराहना की। इस प्रकाशन में विधानसभा चुनावों के दौरान दूरदर्शन की क्षेत्रीय समाचार इकाई के प्रयासों पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से जागरूकता अभियान, एसवीईईपी के तहत हस्ताक्षर अभियान और चुनावी जागरूकता पर केंद्रित विशेष कार्यक्रम शामिल हैं।

'सरकार राजौरी त्रासदी के कारणों का पता लगाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है'

जम्मू 17 जनवरी। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने राजौरी त्रासदी के पीड़ितों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए सरकारी अस्पताल शालामार का दौरा किया।

उनके साथ बुद्धल के विधायक जावेद चौधरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

अस्पताल प्रशासन और वहां के चिकित्सा संकाय से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इन रहस्यमय मौतों के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने उन्हें सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया।

उपमुख्यमंत्री ने दौरे के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा कि सरकार ने पहले ही इस दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी के कारणों का पता लगाने के लिए एक समग्र शोध अभ्यास शुरू करने का निर्देश दिया है। पुलिस जैसी अन्य एजेंसियों को भी मामले की गहन जांच करने का निर्देश दिया गया है और यदि कोई गड़बड़ी पाई जाती है, तो व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के तेजी से क्रियान्वयन पर जोर दिया

राजौरी 17 जनवरी। उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण और चौड़ीकरण जैसी राष्ट्रीय परियोजनाओं के क्रियान्वयन सहित चल रहे कार्यों की प्रगति का आकलन करने के लिए कई विभागों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक बुलाई। उपायुक्त ने राजमार्ग परियोजना के विभिन्न घटकों को पूरा करने के लिए निर्धारित समय सीमा का पालन करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने चुनौतियों और बाधाओं को प्रभावी ढंग से दूर करने के लिए विभागों के बीच निर्बाध समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।

वर्ष 2024 में सड़क दुर्घटनाओं के कारण हुई 91 मौतें, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल उपयोग रहा मुख्य कारण

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह

कठुआ 17 जनवरी । राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के उपलक्ष्य पर गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज कठुआ ने मोटर वाहन विभाग, ट्रैफिक पुलिस ग्रामीण जम्मू और जिला प्रशासन कठुआ के सहयोग से कॉलेज परिसर में सड़क सुरक्षा पर संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में डीसी कठुआ डॉ राकेश मिन्हास और एसएसपी ट्रैफिक ग्रामीण जम्मू गिरधारी लाल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संगोष्ठी की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का भूविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ संजय करलुपिया ने गर्मजोशी से स्वागत किया, जिन्होंने सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की और डीसी को युवा पीढ़ी के लिए एक रोल मॉडल बताया। अपने संबोधन में डीसी कठुआ ने सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए जमीनी स्तर पर सुरक्षा उपायों पर समाज को शिक्षित कर ने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों से यातायात नियमों का पालन करने और अपने समुदायों में सड़क सुरक्षा के लिए राजदूत बनने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा पर शपथ दिलाई गई। वहीं एसएसपी ट्रैफिक ग्रामीण जम्मू ने बताया कि कठुआ जिले में वर्ष 2024 में सड़क दुर्घटनाओं के कारण 91 मौतें होने की सूचना है और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का उपयोग इन दुर्घटनाओं को बढ़ावा देने में प्रमुख योगदान देता है। उन्होंने प्रतिभागियों से सभी यातायात नियमों को गंभीरता से लेने और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा के साथ-साथ पैदल चलने वालों की सुरक्षा के लिए इसका पालन करने की अपील की। संगोष्ठी में एक प्रतियोगिता भी हुई जिसमें कठुआ जिले के विभिन्न डिग्री कॉलेजों के 12 छात्रों ने भाग लिया।

घाटी में शीतलहर के प्रकोप जारी, सोनमर्ग में सबसे कम तापमान -12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज

श्रीनगर, 17 जनवरी । कश्मीर घाटी में शीतलहर के प्रकोप और बीते कल हुई बर्फबारी के बाद यहां का न्यूनतम तापमान हिमांक बिंदू से कई डिग्री नीचे चला गया है। कश्मीर के सोनमर्ग में सबसे कम तापमान -12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इसी बीच पहलगाम में न्यूनतम तापमान -11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद लार्नू में -7.9 डिग्री सेल्सियस और गुलमर्ग में -7.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -2.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि अन्य उल्लेखनीय आंकड़ों में काजीगुंड और कोकरनाग में -2.4 डिग्री सेल्सियस, बांदीपोरा और गांदरबल में -3.4 डिग्री सेल्सियस और शोपियां में -4.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जम्मू में संभाग के पाडर में -8.8 डिग्री सेल्सियस के साथ यहां का सबसे ठंडा स्थान रहा। भद्रवाह में -4.0 डिग्री सेल्सियस, बनिहाल में -1.2 डिग्री सेल्सियस और बटोत में -0.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू शहर में 5.2 डिग्री सेल्सियस, कटरा में 5.3 डिग्री सेल्सियस और रामबन में 4.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। उधमपुर और सांबा जैसे अन्य क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि राजौरी और किश्तवाड़ में -0.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

लद्दाख प्रदेश का द्रास सबसे ठंडा स्थान रहा जहां तापमान -22.9 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया जबकि कश्मीर के सोनमर्ग में सबसे कम तापमान -12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लेह और कारगिल में भी ठंड का असर रहा जहां तापमान क्रमशः -13.0 डिग्री सेल्सियस और -13.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारी का तबादला सरकार की न्याय और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठाता है : महबूबा

श्रीनगर, 17 जनवरी । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को कहा कि एक मामले की जांच कर रहे भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारी का तबादला भ्रष्ट और सबसे शक्तिशाली लोगों के बीच सांठगांठ को उजागर करता है और जम्मू-कश्मीर सरकार की न्याय और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठाता है।

सरकार ने भ्रष्टाचार निरोधक निकाय में फेरबदल के तहत सहायक महानिरीक्षक (एआईजी) के रूप में नामित एसीबी एसएसपी अब्दुल वाहिद को गृह विभाग में वापस भेजने का आदेश दिया है। वाहिद श्रीनगर स्मार्ट सिटी परियोजना में भ्रष्टाचार की जांच कर रहे थे और हाल ही में उन्होंने अपने दो वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति (डीए) के मामले दर्ज किए हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) से अब्दुल वाहिद और उनके सहयोगियों को हटाना भ्रष्टाचार को चुनौती देने वाले अधिकारियों के सामने आने वाले जोखिमों को उजागर करता है। मुफ्ती ने एक्स के माध्यम से कहा कि यह भ्रष्ट और सबसे शक्तिशाली लोगों के बीच सांठगांठ को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार जांच की आड़ में कश्मीरियों की संपत्तियों पर छापेमारी करने के लिए एसीबी सहित विभिन्न एजेंसियों का उपयोग करने के पीछे सरकार के वास्तविक इरादों को उजागर किया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह न्याय और जवाबदेही के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाता है।

बहुत से लोग इस बात का रोना रोते रहते हैं कि उनका भाग्य ही खराब है। नसीब नहीं साथ दे रहा है इसलिए किसी काम में सफलता नहीं मिलती है। जबकि सच यह है कि भाग्य तो कर्म के अधीन है। हाथ की लकीरों में अपने भाग्य को ढूंढने की बजाय अगर हम हाथों को कर्म करने के लिए प्रेरित करें तो भाग्य रेखा खुद ही मजबूत हो जाएगी और हम वह पा सकेंगे जिसकी हम चाहत रखते हैं।

कर्म कीजिए भाग्य आपका गुलाम बन जाएगा

कर्म के अनुसार बदलती हैं रेखा

हस्त रेखा विज्ञान के अनुसार कुछ रेखाओं को छोड़ दें तो बाकी सभी रेखाएं कर्म के अनुसार बदलती रहती है। अपनी हथेली को गौर से देखिए कुछ समय बाद रेखाओं में कुछ न कुछ बदलाव जरूर दिखेगा इसलिए कहा गया है कि रेखाओं से किस्मत नहीं कर्म से रेखाएं बदलती हैं।

सकल पदारथ एहि जग माहि

गोस्वामी तुलसीदास जी कर्म के मर्म को बखूबी जानते थे तभी उन्होंने कहा है सकल पदारथ एहि जग माहिं। कर्महीन नर पावत नाहिं।। तुलसीदास जी ने अपनी दोहा में स्पष्ट किया है कि इस संसार में सभी कुछ है जिसे हम पाना चाहें तो प्राप्त कर सकते हैं लेकिन जो कर्महीन अर्थात प्रयास नहीं करते इच्छित चीजों को पाने से वंचित रह जाते हैं।

सिंह को भी आलस्य त्यागना होगा

नीतिशास्त्र में कहा गया है कि न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥ इसका तात्पर्य यह है कि सिंह अगर शिकार करने न जाए और सोया रहे तो मृग स्वयं ही उसके मुख में नहीं चला जाएगा। यानी सिंह को अपनी भूख मिटानी है तो उसे आलस त्यागकर मृग का शिकार करना ही पड़ेगा। इसी प्रकार हम सभी को जिस चीज की, जिस मंजिल की तलाश है उसके लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। प्रयास का फल देर से मिल सकता है लेकिन परिणाम आपके पक्ष में होगा यह मानकर सही दिशा में प्रयास करते रहना चाहिए।

पृथ्वी यानी कर्म की भूमि

शास्त्रों में पृथ्वी को कर्म भूमि कहा गया है। यहां आप जैसे कर्म करते हैं उसी के अनुरूप आपको फल मिलता है। भगवान श्री कृष्ण ने ही गीता में कर्म को ही प्रधान बताया है और कहा है कि हम मनुष्य के हाथों में मात्र कर्म है अतः हमें यही करना चाहिए। फल क्या होगा वह हमें भगवान पर छोड़ देना चाहिए। भगवान अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते हैं इसलिए जो जैसा कर्म करता है उसे उसका उसे वैसा ही फल देते हैं। सीधी बात यह है कि कर्म प्रधान विश्व रचि राखा, जो जस करहिं सो तस फल चाखा। अर्थात जो व्यक्ति जैसा कर्म करता है उसे वैसा ही फल प्राप्त होता हैं।

जैसा सोचेंगे वैसा ही परिणाम मिलेगा आपको

अगर आप दुःखी हैं तो इसका जिम्मेदार कोई और नहीं है बल्कि आप खुद हैं। इसी प्रकार अगर आप सुखी है तो यह भी आपको अपने ही कारण प्राप्त हुआ है। ईश्वर का आपके सुख-दुःख से कोई लेना देना नहीं है। ईश्वर तो मात्र कर्म का फल प्रदान करने वाला है। यूं समझ लीजिए कि ईश्वर कमल का पुष्प है। कमल पुष्प जैसे कीचड़ में रहकर भी कीचड़ के गुण दोष से प्रभावित नहीं होता, उसी प्रकार ईश्वर सब में और सब के बीच में रहकर भी किस से न तो मित्रता करता है और न शत्रुता। आप जैसा करेंगे और जैसा चाहेंगे वैसे ही आपके आस-पास का वातावरण तैयार कर देगा।

हस्तरेखा विज्ञान भी भविष्य को जानने का एक माध्यम है। लेकिन अगर आप अपने हाथों को गौर से देखें तो पाएंगे कि समय-समय पर हाथों की रेखाओं में परिर्वतन हो रहा है। यह परिर्वतन आपके कर्म और व्यवहार के अनुरूप होता है। इसलिए अगर आप सोचते हैं कि एक बार जो किस्मत में लिखकर आ गया है ऐसा होना तय है तो मन से इस धारणा को निकाल दीजिए। अगर ऐसा होता है तो ज्योतिषशास्त्र से सिर्फ भविष्य देखा जा सकता था। लेकिन ज्योतिषशास्त्र में भविष्य देखने के साथ ही साथ उपाय भी बताये जाते हैं ताकि घटना में बदलाव किया जा सके।

भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि उद्धारेदात्मनात्मानं नात्मानवसादयेत। आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः।। अर्थात मनुष्य स्वयं ही अपना शत्रु और मित्र है। मनुष्य को चाहिए कि वह स्वयं को पतन से बचाये और संसार रूपी समुद्र से उद्धार के लिए प्रयास करे। जो मनुष्य स्वयं का मित्र होता है वह सकरात्मक सोच रखता है और ईश्वर ने जो भी साधन प्रदान किये हैं उसी से संतुष्ट होकर उन्नति के लिए प्रयास करता है। इसके विपरीत जो लोग साधन हीनता का रोना रोते रहते हैं और उन्नति के प्रयास नहीं करते हैं वह स्वयं ही अपने शत्रु हैं। वेद में कहा गया है कि उद्यानं ते पुरूष नावयनम्। यानी हे पुरूष! तुझे ऊपर उठना है न कि नीचे गिरना। इसलिए मनुष्य को हमेशा उन्नति के लिए ऊपर उठने के लिए प्रयास करना चाहिए। नकारात्मक सोच रखने से मन दुःखी होता है और क्रोध बढ़ता है। वाणी में प्रेम और मधुरता नहीं रह जाती है। अनायास ही कोई गलत कार्य कर बैठते हैं। इसलिए सोच बदलिए और उन्नति के लिए प्रयास कीजिए। जैसा आप सोचेंगे वैसा हो जाएगा।

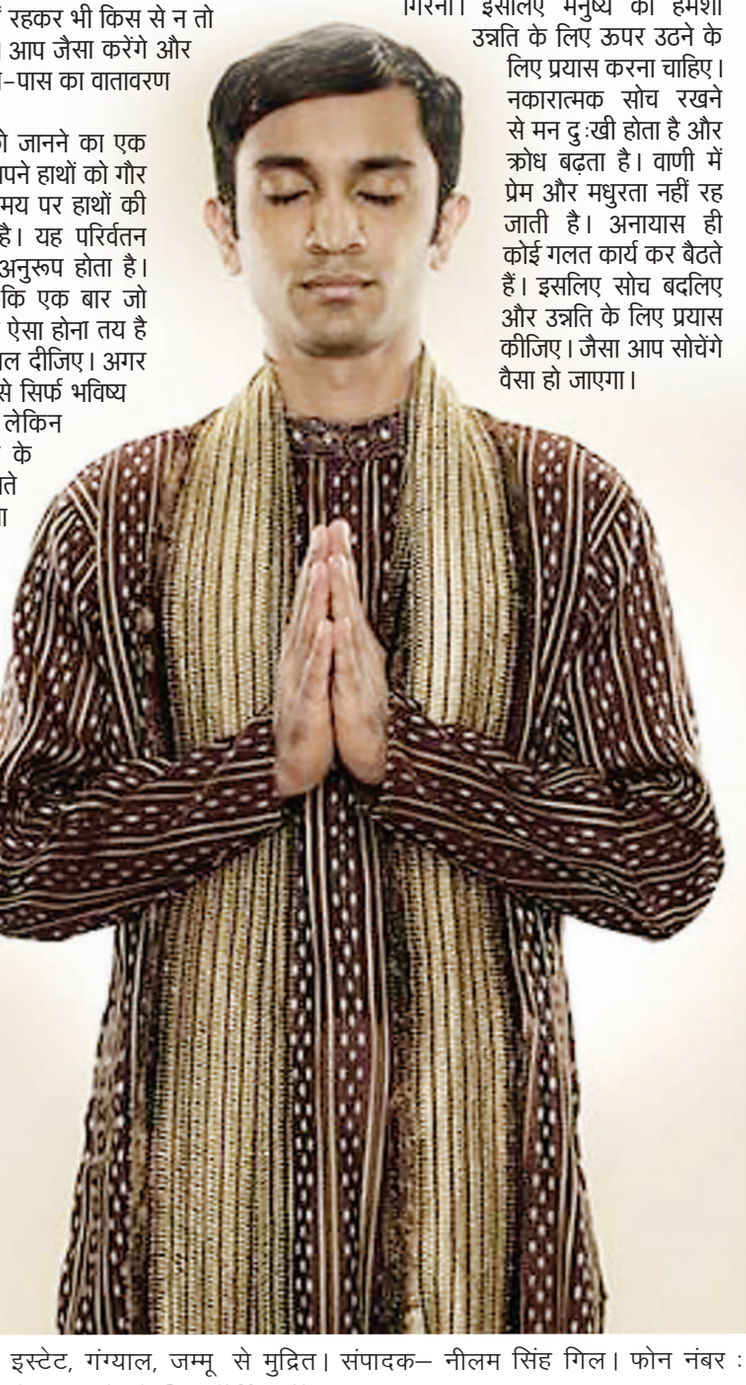

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढ़कर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं।

महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया। भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं।

अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं। भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढ़ने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। शास्त्रों में अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

दूसरों के अवगुण नहीं गुण भी देखिए

मनुष्यों की सामान्य प्रवृति है कि वह अपने भीतर सिर्फ गुण देखता है और दूसरों के गुणों को पहचान नहीं पाता है। यही कारण है कि मनुष्य खुद को दूसरों से श्रेष्ठ मानने की भूल कर बैठता है। जबकि गौर से देखें तो जिसे आप अयोग्य व्यक्ति मानते हैं उसमें भी कुछ न कुछ गुण अवश्य पाएंगे। अगर उन गुणों को अपने अंदर ग्रहण करने की कोशिश करें तो जिस व्यक्ति को अयोग्य मान रहे थे वह भी आपको गुणों का खजाना नज़र आने लगेगा। इससे आप कई चीजें एक साथ प्राप्त कर लेंगे। एक तो उस व्यक्ति की नज़र में आपका सम्मान बढ़ेगा। मन से निरादर की भावना दूर होगी और आपसी प्रेम में वृद्धि होगी। महात्मा गांधी के जीवन से जुड़ी एक ऐसी ही घटना का जिक्र यहां प्रस्तुत है जो बताता है कि किस प्रकार हमें बुराईयों में से अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए। महात्मा गांधी इंग्लैंड की यात्रा पर थे। उस समय उन्हें एक अंग्रेज ने एक कागज पर बुरा-भला लिखकर दिया। गांधी जी ने उस व्यक्ति से कुछ नहीं कहा बल्कि कागज में लगा हुआ पिन निकालकर अपने पास रख लिया और कागज फेंक दिया। गांधी जी के साथ जो लोग थे उन्होंने गांधी जी से कहा कि अंग्रेज आपको बुरा-भला कह रहा है और आप उसे कुछ जवाब नहीं दे रहे हैं। गांधी जी ने कहा कि कागज पर लिखे हुए शब्द मेरे लिए उपयोगी नहीं थे। इसलिए मैंने उन्हें फेंक दिया। जबकि कागज में लगा हुआ पिन उपयोगी है इसलिए मैंने उसे अपने पास रख लिया है। गांधी जी ने ऐसा कह कर यह संदेश दिया कि बुराईयों को छोड़ दो और जहां कहीं कुछ भी अच्छाई दिखे उसे तुरंत ग्रहण कर लो।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जम्मू के छात्र स्वस्तिक शर्मा ने राष्ट्रीय मौसम विज्ञान ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

जम्मू, 17 जनवरी (हि.स.)। जम्मू के 8वीं कक्षा के छात्र स्वस्तिक शर्मा ने हाल ही में आयोजित राष्ट्रीय मौसम विज्ञान ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यह ओलंपियाड भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में आयोजित किया गया था। स्वस्तिक पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, सुंजवान मिलिट्री स्टेशन, जम्मू के छात्र हैं। उन्हें नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में भारत सरकार के मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्रा से यह पुरस्कार मिला।

स्वस्तिक डॉ. गौतम शर्मा और डॉ. मीनाक्षी शर्मा के बेटे हैं।वह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जम्मू-कश्मीर के 3 छात्रों में से एक हैं। उन्होंने दूसरा स्थान प्राप्त किया। यह पहली बार था जब भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा पूरे भारत में इस तरह का ओलंपियाड आयोजित किया गया था। 150वें स्थापना दिवस समारोह के हिस्से के रूप में,आईएमडी ने दक्षिण एशियाई मौसम विज्ञान संघ (सामा) और भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी (आईएमएस) के सहयोग से राष्ट्रीय मौसम विज्ञान ओलंपियाड (मेट-ओलंपियाड) आयोजित किया। ओलंपियाड में कक्षा 8वीं, 9वीं और 11वीं के छात्रों को शामिल किया गया और इसे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया गया। प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश से तीन राज्य विजेताओं के साथ-साथ राष्ट्रीय विजेता को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि मौसम विज्ञान ओलंपियाड का उद्देश्य देश भर के युवा छात्रों में मौसम और जलवायु विज्ञान के बारे में उत्साह और जागरूकता बढ़ाना था। इस प्रतियोगिता ने छात्रों को अपने ज्ञान का परीक्षण करने, आकर्षक चुनौतियों में भाग लेने और मौसम विज्ञान के बारे में अधिक जानने का अवसर प्रदान किया।

वेलनेस कॉन्क्लेव में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा दिया

जम्मू, 17 जनवरी (हि.स.)। मुख्यालय सीआईएफ (रोमियो) ने मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करने और बल के भीतर गैर-संचालन हताहतों को रोकने के उद्देश्य से एक वेलनेस कॉन्क्लेव की सफलतापूर्वक मेजबानी की। इस कार्यक्रम में सूबेदार मेजर, धार्मिक शिक्षक और चिकित्सा विशेषज्ञ सार्थक चर्चाओं और ज्ञान-साझाकरण के लिए एक साथ आए। राजौरी सरकारी मेडिकल कॉलेज में मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. परवेज आलम ने सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य का निर्माण और यूनिट मनोवैज्ञानिक परामर्शदाताओं की भूमिका पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने लचीलापन बढ़ाने, तनाव के शुरुआती लक्षणों को पहचानने और इकाइयों के भीतर सहायक मानसिक स्वास्थ्य वातावरण बनाने पर जोर दिया। सूबेदार मेजर और धार्मिक शिक्षकों के नेतृत्व में इंटरैक्टिव सत्र और केस-आधारित कार्यशालाओं ने चुनौतियों का समाधान करने और सैनिक कल्याण को बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और वास्तविक जीवन परिदृश्य प्रदान किए। सम्मेलन का समापन सहयोगात्मक दृष्टिकोण से हुआ जिसमें सभी कर्मियों के समग्र कल्याण के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता को मजबूत किया गया। प्रतिभागियों को बल के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक मजबूत समर्थन प्रणाली बनाने के लिए अभिनव दृष्टिकोण अपनाने और प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

युवाओं को नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर व्याख्यान दिया

जम्मू, 17 जनवरी (हि.स.)। एक सराहनीय सामुदायिक आउटरीच पहल में भारतीय सेना ने राजौरी के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेरी में नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर एक प्रभावशाली व्याख्यान आयोजित किया।

पीएचसी सियाल के एक प्रतिनिधि के सहयोग से आयोजित इस सत्र का उद्देश्य युवाओं को मादक द्रव्यों के सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में शिक्षित करना और एक स्वस्थ, अनुशासित जीवन शैली को बढ़ावा देना था।

व्याख्यान में शराब, तंबाकू, भांग और सिंथेटिक ड्रग्स जैसे आम तौर पर दुरुपयोग किए जाने वाले पदार्थों का अवलोकन प्रदान किया गया जिसमें मस्तिष्क और शरीर पर उनके हानिकारक प्रभावों के बारे में बताया गया। चर्चा में नशे की लत के गंभीर परिणामों पर प्रकाश डाला गया जिसमें अवसाद और चिंता जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, लीवर की क्षति और श्वसन संबंधी समस्याएं जैसी शारीरिक जटिलताएं और व्यक्तिगत संबंधों पर तनाव शामिल हैं।

सत्र में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के सामाजिक प्रभावों पर भी चर्चा की गई जिसमें अपराध दर में वृद्धि और आर्थिक नुकसान शामिल हैं। इसने पुनर्वास के महत्व पर जोर दिया और व्यक्तियों को नशे की लत से उबरने में सहायता करने के लिए उपलब्ध सहायता प्रणालियों, हेल्पलाइन और पुनर्वास केंद्रों के बारे में जानकारी दी। जागरूकता को बढ़ावा देने और सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करके भारतीय सेना ने सामाजिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम ने न केवल उपस्थित लोगों को शिक्षित किया बल्कि मादक द्रव्यों के सेवन के खतरे से निपटने में निवारक उपायों के महत्व को भी मजबूत किया।

राजौरी के सुदूर इलाकों में चिकित्सा गश्त की

जम्मू, 17 जनवरी (हि.स.)। राजौरी जिले के सुदूर गांव फली में चिकित्सा गश्ती की गई जिसमें भारतीय सेना ने विशेष रूप से गुज्जर और बक्करवाल समुदायों सहित स्थानीय आबादी को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। इस पहल का उद्देश्य मौके पर चिकित्सा सहायता प्रदान करना, स्वास्थ्य जांच करना और आम बीमारियों का इलाज करना था। दवाइयाँ वितरित की गईं और ग्रामीणों को निवारक स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता के महत्व और संतुलित आहार बनाए रखने के बारे में शिक्षित किया गया।

चिकित्सा गश्ती ने 10 पुरुषों, 18 महिलाओं और 12 बच्चों सहित 40 व्यक्तियों को लाभान्वित किया जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि उन्हें समय पर चिकित्सा देखभाल और मार्गदर्शन मिले। स्थानीय समुदाय ने सुदूर क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुँच में सुधार के लिए भारतीय सेना के समर्पण के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

डोगरा सदर सभा ने जम्मू क्षेत्र के लिए टीम की घोषणा की

जम्मू, 17 जनवरी (हि.स.)। पूर्व मंत्री ठा. गुलचैन सिंह चाढ़क को सर्वसम्मति से 120 साल पुराने धर्मनिरपेक्ष सामाजिक संगठन डोगरा सदर सभा (डीएसएस) के अध्यक्ष के रूप में पुनः निर्वाचित किया गया है। अपने पुनर्निर्वाचन के बाद चाढ़क ने नवनिर्वाचित महासचिव एडवोकेट एच.सी. जलमारिया के परामर्श से जम्मू क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तियों से युक्त पदाधिकारियों की एक टीम की घोषणा की।

बैठक के दौरान सदस्यों ने सभा की 120 साल की ऐतिहासिक यात्रा और इसकी महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर विचार किया। नई टीम ने जम्मू और डुग्गर प्रदेश के कल्याण के लिए धर्मनिरपेक्ष आधार पर काम करके विभिन्न पृष्ठभूमि, क्षेत्रों और व्यवसायों से डोगराओं के बीच एकता को बढ़ावा देकर सभा के संस्थापकों के दृष्टिकोण को बनाए रखने का संकल्प लिया।

केंद्र सरकार द्वारा 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दिए जाने का स्वागत

जम्मू, 17 जनवरी (हि.स.)। शुक्रवार को यहां भूतपूर्व सैनिकों की एक बड़ी सभा ने 8वें वेतन आयोग के गठन के केंद्र सरकार के फैसले की सराहना की और इसे कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वीकृत इस कदम का उद्देश्य लगभग 50 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के वेतन में संशोधन करना और 65 लाख पेंशनभोगियों के भत्ते समायोजित करना है। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ता कैप्टन कमल दास, हंस राज लोरिया और रतन लाल कैथ ने कहा यह निर्णय भारत सरकार द्वारा अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की भलाई सुनिश्चित करने के प्रति समर्पण को दर्शाता है। इस अवसर पर सूबेदार मेजर राम पॉल (सेवानिवृत्त), सूबेदार काकू राम (सेवानिवृत्त), सब इंस्पेक्टर दर्शन कुमार (सेवानिवृत्त) और हवलदार देस राज (सेवानिवृत्त) जैसे कई प्रमुख पूर्व सैनिक उपस्थित थे जिन्होंने सेवा समुदाय की आवश्यकताओं को पूरा करने में केंद्र के सक्रिय दृष्टिकोण की सराहना की।

डीडीसी ने सड़क निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

अखनूर, 17 जनवरी (हि.स.)। भाजपा नेता एवं जिला विकास परिषद के सदस्य पंडित सुरेश शर्मा ने ब्लॉक चौकी चौरा की पंचायत चौरा में 15.50 लाख की लागत से स्टेट सेक्टर के अंतर्गत ललेयाल मोहल्ला सड़क मार्ग के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

यह लोगों की बहुत ही लंबित मांग थी जिसको आज पूरा किया गया। इस सड़क का निर्माण कार्य पूरा होने पर लोगों को काफी सहूलियत प्रदान होगी। सुरेश शर्मा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक गांव मोहल्ले को पक्की सड़क मार्ग के साथ जोड़ने के संकल्प को लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। आने वाले दिनों में हमारा प्रयास रहेगा कि कोई भी ऐसा गांव मोहल्ला ना रहे जहां पर पक्के सड़क मार्ग ना हों।

सुरेश शर्मा ने कहा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बड़े-बड़े मेगा प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है जिसके चलते जम्मू कश्मीर में भी चौतरफा विकास जारी है।

जीजीएम साइंस कॉलेज ने विशेष कार्यक्रम के साथ राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस मनाया

जम्मू, 17 जनवरी (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज जम्मू में जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने सीएसआईआर-आईआईआईएम प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर (टीबीआई) के सहयोग से राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के बीच उद्यमिता और कौशल विकास को बढ़ावा देना था जिसमें छात्रों और शिक्षकों दोनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत में जैव प्रौद्योगिकी विभाग की प्रमुख प्रो. किरण बाला ने जीजीएम साइंस कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. रोमेश कुमार गुप्ता और सीएसआईआर-आईआईआईएम के निदेशक डॉ. ज़बीर अहमद को कार्यक्रम की मेजबानी में उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। वहीं डॉ. गुप्ता ने छात्रों को नवोन्मेषक और नेता बनने के लिए सशक्त बनाने में ऐसी पहलों के महत्व पर प्रकाश डाला जो कॉलेज के शैक्षणिक और उद्यमशीलता उत्कृष्टता के दृष्टिकोण के अनुरूप है। डॉ. अहमद ने भारत के भविष्य को आकार देने में स्टार्टअप की परिवर्तनकारी शक्ति और उद्यमियों को सम्मानित करने में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

मुख्य वक्ताओं में एआईसी सीएसआईआर-आईआईआईएम श्रीनगर के सीईओ डॉ. शाहिद जिब्रान शामिल थे जिन्होंने उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देना

चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

आरएस पुरा, 17 जनवरी (हि.स.)। सीमा सुरक्षा बल की 7वीं बटालियन की तरफ से शुक्रवार को आरएस पुरा के सीमावर्ती गांव बैरा में सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें पंचायत के लोगों के स्वास्थ्य की जांच करने के साथ-साथ उनमें निशुल्क दवाइयां वितरित की गई।

इस मौके पर सीमा सुरक्षा बल की 7वीं बटालियन के कमांडेंट ए.के. सिन्हा मुख्य तौर पर उपस्थित रहे जिन्होंने इस एक दिवसीय चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया।

इसके अलावा पंचायत के पूर्व सरपंच सुखदेव सिंह काला, पूर्व सरपंच वचन लाल चौधरी, पूर्व नायब सरपंच विजय कुमारी सहित पंचायत के अन्य प्रतिनिधि तथा काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सांसद खटाना द्वारा जम्मू-कश्मीर में वन अधिकार अधिनियम की प्रगति की समीक्षा

जम्मू, 17 जनवरी (हि.स.)। राज्यसभा सांसद गुलाम अली खटाना ने वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) और जम्मू-कश्मीर में जनजातीय समुदायों को लाभ पहुंचाने वाली अन्य योजनाओं के कार्यान्वयन का आकलन करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वन विभाग की आयुक्त सचिव शीतल नंदा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) बी.के. सिंह, मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) जम्मू और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

समीक्षा के दौरान सांसद खटाना ने वन उपज प्रबंधन, एफआरए के निष्पादन और मौसमी प्रवासियों और जनजातीय समुदायों को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने पर विस्तृत अपडेट मांगे। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश की जनजातियों के लिए एक समावेशी और निर्बाध विकास प्रक्रिया सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

सांसद ने वन विभाग से सतत विकास को प्राप्त करने के लिए प्रौद्योगिकी, पशु और जन-हितैषी नीतियों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने सरकारी योजनाओं के कुशल क्रियान्वयन, अधिकारों को मजबूत करने और पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक कल्याण के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया।

एसएमवीडीयू छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना जलवा बिखेरा

जम्मू, 17 जनवरी (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) के तीसरे वर्ष के सिविल इंजीनियरिंग के छात्र समायरा सिन्हा और ऋषभ कुमार ने हाइड्रोलिक्स, जल संसाधन, नदी और तटीय इंजीनियरिंग पर प्रतिष्ठित 29वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने अभिनव शोध प्रस्तुत करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केंद्र में किया गया।

उनके शोध पत्र - एचईसी-आरएएस का उपयोग करके ब्रिज पियर स्कोर डेप्थ की मॉडलिंग - ने नदी हाइड्रोलिक्स और स्कोर डेप्थ के सटीक सिमुलेशन के लिए हाइड्रोलॉजिक इंजीनियरिंग सेंटर के रिवर एनालिसिस सिस्टम (एचईसी-आरएएस) के उपयोग को प्रदर्शित किया।

यह अत्याधुनिक अध्ययन पुल के डिजाइन और रखरखाव में महत्वपूर्ण चुनौतियों को संबोधित करता है और बुनियादी ढांचे की लचीलापन और सुरक्षा को बढ़ाता है।

समायरा, ऋषभ और शुभम कुमार सिंह द्वारा सह-लिखित एक अन्य पेपर - ईटीआर और एमएआरएस मॉडल का उपयोग करके मेन्डरिंग कम्पाउंड चैनलों में डिस्चार्ज अनुमान - ने मेन्डरिंग नदियों में डिस्चार्ज पूर्वानुमान को बेहतर बनाने के लिए ईटीआर (एक्सट्रीम लर्निंग मशीन) और एमएआरएस (मल्टीवेरिएट एडेप्टिव रिग्रेशन स्प्लिन) जैसे उन्नत डेटा-संचालित मॉडल को एकीकृत किया। ये पद्धतियाँ नदी के प्रवाह प्रबंधन में सुधार कर सकती हैं जो जल संसाधन के सतत उपयोग का समर्थन करती हैं। स्कूल ऑफ सिविल इंजीनियरिंग के प्रमुख प्रो. वी. के. डोगरा ने छात्रों की प्रशंसा करते हुए कहा उनकी उपलब्धियाँ एसएमवीडीयू के युवा शोधकर्ताओं की प्रतिभा और समर्पण को उजागर करती हैं।

गुज्जर बस्ती में विकास कार्य न होने पर प्रदर्शन

आरएस पुरा, 17 जनवरी (हि.स.) ब्लॉक मीरा साहिब की पंचायत मारलिया की वार्ड नंबर 4 गुज्जर बस्ती डाक बंगला के लोगों ने बस्ती में विकास न होने पर शुक्रवार को युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष सरदार खुशवंत सिंह की अध्यक्षता में सरकार तथा संबंधित विभाग के खिलाफ जोरदार तरीके के साथ प्रदर्शन किया और चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जल्द से जल्द उनकी गुज्जर बस्ती के विकास की तरफ ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दिनों में भी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर पूर्व पंच सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष सरदार खुशवंत सिंह ने कहा कि मारलिया पंचायत के अधीन आने वाली गुज्जर बस्ती की हालत पिछले लंबे समय से काफी खस्ता बनी हुई है तथा पिछले 5 सालों में विकास कार्य न के बराबर हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज भी गुज्जर बस्ती की गलियों तथा नालियों की हालत काफी खस्ता है और बारिश होने पर लोगों का अपने घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि लोगों के साथ चुनाव के दौरान विकास के नाम पर बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं लेकिन आज भी वार्ड नंबर चार विकास से काफी दूर है। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस मांग करती है कि पंचायत में जितने भी विकास कार्य हुए हैं उनकी जांच होनी चाहिए और बात सामने आनी चाहिए कि कहां पर कमी रही है। इसके साथ ही उन्होंने मांग करते हुए कहा कि क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता की भी जांच होनी चाहिए। पूर्व पंच ने कहा कि उनकी तरफ से लगातार संबंधित विभाग के समक्ष मांग की गई है कि उनकी गुज्जर बस्ती में विकास कार्य होने चाहिए लेकिन आज भी उनकी गुज्जर बस्ती विकास के मामले में काफी पीछे है और विकास कार्य रुके हुए हैं। उन्होंने जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री तथा उपराज्यपाल से मांग करते हुए कहा कि उनकी बस्ती के विकास की तरफ विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए और लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए।

नशा मुक्त भारत अभियान के लिए समर्थन जुटाया

जम्मू, 17 जनवरी (हि.स.)। शिवसेना हिंदुस्तान जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष पंडित राजेश केसरी ने नशा मुक्त भारत अभियान के लिए समर्थन जुटाने के लिए सांबा जिले के ग्रामीण इलाकों में कई बैठकें कीं खास तौर पर सीमावर्ती इलाकों में। केसरी ने मादक द्रव्यों के सेवन की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया जो सभी लिंगों के युवाओं को प्रभावित करती है और मनो-सामाजिक और चिकित्सा संबंधी समस्याओं को जन्म देती है।

केसरी ने नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ जम्मू-कश्मीर सरकार की शून्य-सहिष्णुता नीति को स्वीकार किया लेकिन इस बात पर जोर दिया कि नशीली दवाओं की आपूर्ति श्रृंखला को खत्म करने के लिए और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने तस्करों के बारे में जानकारी साझा करने और नशे के आदी लोगों और उनके परिवारों को परामर्श देने के लिए एक टोल-फ्री ड्रग रोकथाम हेल्पलाइन की स्थापना की प्रशंसा की जिसमें मुखबिरों की गोपनीयता का वादा किया गया।

समुदाय-आधारित हस्तक्षेपों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए केसरी ने मादक द्रव्यों के सेवन से प्रभावित लोगों की शीघ्र रोकथाम, पहचान और पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए माता-पिता, शिक्षकों और समुदाय के सदस्यों की भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्कूली बच्चे जो अक्सर नशे की लत के शिकार हो जाते हैं उन्हें शैक्षणिक असफलताओं और पढ़ाई छोड़ने से रोकने के लिए विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

ऑल जेएंडके गुरु रविदास सभा ने आठ साल पुराने विवाद को सुलझाया

जम्मू, 17 जनवरी (हि.स.)। लोहड़ी मिलन मनाने के लिए आयोजित एक प्रेस वार्ता में ऑल जेएंडके गुरु रविदास सभा (जीआरडीएस) ने आठ साल से चल रहे आंतरिक विवाद के समाधान की घोषणा की जिसने संगठन को कानूनी और अदालती लड़ाइयों में उलझा दिया था। रविदासिया समुदाय को विभाजित करने वाले इस विवाद को 29 दिसंबर 2024 को आयोजित एक आम सभा की बैठक में संबोधित किया गया। सभा की कार्यकारी समिति, शाखा प्रमुखों और प्रमुख समुदाय के सदस्यों ने बैठक में भाग लिया जहाँ उन्होंने विवादित पक्षों को बाहर करने और सभा के आगामी धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की देखरेख के लिए एक तदर्थ समिति नियुक्त करने के लिए सभा के संविधान के नियम 9 का हवाला दिया।9 फरवरी को शोभा यात्रा और 12 फरवरी 2025 को गुरु रविदास जी महाराज के प्रकाश दिवस के आयोजन का काम करने वाली एडहॉक कमेटी का ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि ये कार्यक्रम भव्यता और सौहार्द के साथ आयोजित किए जाएं। सभा ने इस बात पर जोर दिया कि जनरल हाउस और एडहॉक कमेटी न्यायिक समीक्षा के अधीन नहीं हैं, जो सभा के आंतरिक अधिकार की पुष्टि करता है। 2019 के न्यायालय के आदेश के आधार पर सभा की संपत्ति पर दावा करने के लिए अपदस्थ अध्यक्ष पिरान दित्ता के संभावित प्रयासों पर चिंताओं को संबोधित करते हुए सभा ने स्पष्ट किया कि 2019 का आदेश वर्तमान विवाद में शामिल नहीं होने वाले व्यक्तियों पर लागू होता है। सभा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आंतरिक संघर्षों को हल करने में जनरल हाउस के पास अंतिम निर्णय लेने की शक्ति है। प्रेस ब्रीफिंग ने न्यायिक निगरानी के तहत चुनाव कराने के पहले के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला जिसमें पिरान दित्ता द्वारा व्यवधानों का सामना करना पड़ा, जिसमें महत्वपूर्ण रिकॉर्ड को रोकना और चुनाव प्रक्रियाओं को बाधित करना शामिल था।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI
(PHE) MECH RURAL DIVISION JAMMU
NOTICE INVITING TENDER
e-NIT No. 86 of 2024-25

For and on behalf of Lieutenant Governor of J&K UT, Executive Engineer, Jal Shakti (PHE) Mech. Rural Division Jammu, invites tenders by e-tendering mode from the reputed/registered firms/individuals for the below mentioned work:-

S. No.	Name of work	Est. cost (in Lakh)	Cost of document/ tender fee (in ?)	Earnest Money (in ?)	Validity of Rates	Bid validity
1.	Providing/Replacement of damaged components of 100 KVA voltage stabilizer installed at T/well Sai Tangali New.	0.485	Rs. 200/-	970/- in the shape of CDR / FDR	180 days	180 days

Date of Publishing: 16.01.2025 (05:00 P.m)
1. Bid documents can be seen at and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 16.01.2025 (05:00 P.m)
2. The Bids shall be deposited on the website http://jktenders.gov.in from 16.01.2025 (05:00 P.m) to 22.01.2025 (02:00 P.m).
3. After opening the tender Bids must be accompanied by bid security and cost of Tender Document as specified in column 4 & 5 of the table (and for DIC/SSI registered firms as per Industrial Policy of J&K Govt.) payable at Jammu pledged in favour of Executive Engineer PHE Mech. Rural Division Jammu.
4. Bid security will have to be in form of CDR/FDR of any scheduled bank and shall have to be valid for one year from the date of issuance of tender. The cost of downloaded tender documents should be in form of Treasury Challan/e-Challan in favour of Executive Engineer Jal Shakti (PHE) Mech. Rural Division Jammu payable at Jammu.

DIP/J-9273/24
Dtd: 17-1-2025

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti (PHE) Mech.
Rural Division Jammu

संपादकीय

साइबर जालसाजों से रहें दो कदम आगे

चूंकि ऑनलाइन धोखाधड़ी ने साइबर दुनिया में तबाही मचा दी है, इसलिए जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव द्वारा ऑनलाइन जालसाजों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सावधानी बरतने के लिए कहा जाना यह स्पष्ट करता है कि समस्या हाल ही में भयावह हो गई है और इसे प्रभावी ढंग से रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता है।

चूंकि हर दिन साइबर धोखाधड़ी में नए रुझान देखने को मिलते हैं, जिसमें न केवल देश के भीतर बल्कि विदेशों से भी जालसाजों के गिरोह काम कर रहे हैं, इसलिए सरकार के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वह साइबर जालसाजों से आगे रहने के लिए सभी कदम उठाए और उनकी अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाए। जहां तक आम लोगों का सवाल है, साइबर धोखाधड़ी से बचने की कुंजी साइबर दुनिया में हो रही घटनाओं से अवगत रहना और संबंधित सरकारी तिमाहियों द्वारा जारी निर्देशों का पालन करना है, क्योंकि हैकर्स सोशल मीडिया और विभिन्न वेबसाइटों के भोले-भाले उपयोगकर्ताओं को ठगने के लिए नियमित आधार पर अपने तौर-तरीके बदलते रहते हैं।

इस संदर्भ में, दूरसंचार विभाग ने संचार साथी मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य लोगों को सीधे अपने मोबाइल फोन कॉल लॉग से ऐसी घटनाओं को चिह्नित करने की अनुमति देकर किसी भी संदिग्ध धोखाधड़ी संचार की रिपोर्ट करना आसान बनाना है।

कथित तौर पर, ष्ट्श्ञ के संचार साथी पोर्टल में धोखाधड़ी कॉल के खिलाफ कार्रवाई के लिए एक प्रभावी तंत्र है और ऐप ग्राहकों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करता है। Android और iOS दोनों प्लेटफ़ॉर्म के लिए उपलब्ध संचार साथी मोबाइल ऐप, उपयोगकर्ताओं को अपने दूरसंचार संसाधनों को सुरक्षित करने और दूरसंचार धोखाधड़ी से निपटने के लिए महत्वपूर्ण उपकरण प्रदान करता है। यह ऐप उपयोगकर्ताओं को ऐप का उपयोग करके संदिग्ध कॉल और एसएमएस की रिपोर्ट करने की अनुमति देने में सक्षम है। इसके अलावा मोबाइल फोन उपयोगकर्ता सभी मोबाइल कनेक्शनों की पहचान और प्रबंधन कर सकते हैं। इस सुविधा के साथ, खोए या चोरी हुए मोबाइल उपकरणों को तेजी से ब्लॉक, ट्रेस और पुनर्प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा, मोबाइल ऐप मोबाइल हैंडसेट की प्रामाणिकता को सत्यापित करने का एक आसान तरीका प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता वास्तविक डिवाइस खरीदते हैं।

देश में 90 करोड़ से अधिक स्मार्ट फोन उपयोगकर्ताओं के साथ, संचार साथी मोबाइल ऐप का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्मार्ट फोन पर बस कुछ टैप के साथ इन महत्वपूर्ण सेवाओं तक पहुँच प्राप्त हो। यह अच्छी बात है कि आज की उलझन भरी साइबर दुनिया में संचार साथी मोबाइल एप्लीकेशन व्यक्तियों को सशक्त बनाएगा तथा धोखाधड़ी की समस्या को रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देगा।

परिणामों पर प्रयास को प्राथमिकता देना योग्यता के सिद्धांत को चुनौती

-डॉ सत्यवान सौरभ

सफलता सार्वजनिक उत्सव होती है, जबकि असफलता व्यक्तिगत विपत्ति। सफलता में लोग साथ होते हैं, जबकि असफलता में लोग साथ छोड़ देते हैं। हालांकि, असफलता से सीखने और बढ़ने का मौका मिलता है। सफलता सार्वजनिक उत्सव है जबकि असफलता व्यक्तिगत शोक एकदम सत्य लिखा है। दो ऐसे शब्द जो हर व्यक्ति के जीवन में बहुत मायने रखते हैं। पहला शब्द सफलता जिसको हर कोई प्राप्त करना चाहता है जबकि दूसरा शब्द असफलता जिससे हर व्यक्ति दूर रहना चाहता है।

सफलता जब प्राप्त होती है तो घर-परिवार सब खुश होता है लेकिन असफलता का सामना आपको अकेले करना पड़ता है। अगर आप सफल हो गए तो समाज में आपकी इज्जत होगी, लोगों का आपके साथ व्यवहार परिवर्तित हो जायेगा लेकिन असफल रहने पर आपको बेरोजगार, ठलुआ जैसी संज्ञा मिलेगी।

यह भी मायने रखता है कि आपने सफलता प्राप्त करने के लिए कितना प्रयत्न किया? यदि आपने पूरे समर्पण भाव से मेहनत की है फिर भी आप अपने मनपसंद क्षेत्र में सफल नहीं हुए तो ये मान लीजिए कि आपने अपने सपने को पूरा करने के लिए जो ज्ञानार्जन किया है वह आपके भावी जीवन में बहुत काम आने वाला है। वही ज्ञान किसी अन्य क्षेत्र में आपके भविष्य निर्माण में सहायक हो सकता है।

परिणाम संचालित समाज में प्रयास अक्सर परिणामों के पीछे चला जाता है। परिणामों पर प्रयास को प्राथमिकता देना योग्यता के सिद्धांत को चुनौती देता है। खेलों में प्रयास दृढ़ता, अनुशासन और निष्पक्षता को दर्शाता है, जो प्रदर्शन पर प्रक्रिया पर ज़ोर देता है।

यह दृष्टिकोण मानसिक लचीलापन और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है जबकि डोपिंग और मैच फिक्सिंग जैसी अनैतिक प्रथाओं के दबाव को कम करता है।

नैतिक मूल्यांकन को मापने योग्य परिणामों के साथ प्रयास के आंतरिक मूल्य को संतुलित करना चाहिए। मापे जाने वाले परिणामों के प्रति जुनून, समाज मात्रात्मक सफलता को प्राथमिकता देता है, अक्सर प्रयास के आंतरिक मूल्य और यात्रा में दृढ़ता को अनदेखा करता है। माता-पिता बच्चे के परीक्षा अंकों की प्रशंसा करते हैं लेकिन शायद ही कभी अध्ययन या अवधारणाओं को समझने में बिताए गए समय को स्वीकार करते हैं।

परिणामों पर लगातार ध्यान केंद्रित करने से अनावश्यक दबाव बनता है, जिससे तनाव होता है और सुधार या सीखने के लिए आंतरिक प्रेरणा कम हो जाती है।

रिकॉर्ड तोड़ने के दबाव का सामना करने वाले एथलीट के कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय डोपिंग का सहारा लेने का खतरा रहता है। परिणामों पर जोर देने से क्रमिक शिक्षा और सुधार का महत्व कम हो जाता है, जिससे सफलता अस्थिर हो जाती है। ऋषभ पंत जैसे क्रिकेटर, जिनकी शुरुआत में अस्थिर प्रदर्शन के लिए आलोचना की गई थी, उन्होंने समय के साथ लगातार सुधार करके सम्मान प्राप्त किया। परिणाम-उन्मुख मानसिकता शॉर्टकट या अनैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देती है, जिससे निष्पक्षता और खेल भावना खत्म हो जाती है। बॉल-टैम्परिंग जैसे मामले ईमानदारी पर जीत को प्राथमिकता देने की मानसिकता को दर्शाते हैं। समाज विजेताओं का महिमामंडन करता है लेकिन प्रतिभागियों के प्रयासों की उपेक्षा करता है, जिससे खेलों की समावेशिता और एकीकृत भावना कमजोर होती है। कम प्रसिद्ध ओलंपियन जो सर्वश्रेष्ठ देते हैं लेकिन पदक जीतने में विफल रहते हैं, उन्हें स्वर्ण पदक विजेताओं की तुलना में कम मान्यता मिलती है।

निष्पक्षता और समावेशिता को बढ़ावा देना, प्रयास को महत्व देना सुनिश्चित करता है कि सभी प्रतिभागियों को मान्यता प्राप्त हो, एक समावेशी और सहायक वातावरण को बढ़ावा मिले। पैरालिंपिक खेल दृढ़ता और प्रयास को उजागर करते हैं, पदकों पर भागीदारी पर जोर देते हैं। प्रयास को प्राथमिकता देने से व्यक्तियों को दृढ़ता, विनम्रता और भावनात्मक शक्ति का निर्माण करने में मदद मिलती है, जो व्यक्तिगत विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। नीरज चोपड़ा की विनम्रता और प्रतियोगियों के प्रति सम्मान सिर्फ उनके भाला फेंक रिकॉर्ड से कहीं ज्यादा मनाया जाता है। प्रयास पर ध्यान केंद्रित करने से कौशल वृद्धि और निरंतरता को बढ़ावा मिलता है, जिससे खेलों में स्थायी उपलब्धियाँ मिलती हैं। विराट कोहली की अनुशासित प्रशिक्षण दिनचर्या स्थायी सफलता प्राप्त करने में प्रयास के महत्त्व को दर्शाती है। परिणामों से ज़्यादा प्रयास को महत्त्व देने से नैतिक व्यवहार और नियमों के प्रति सम्मान को बढ़ावा मिलता है, जिससे खेलों में निष्पक्षता सुनिश्चित होती है।

उदाहरण के लिए सचिन तेंदुलकर का स्लेजिंग में शामिल होने से इनकार करना क्रिकेट में अल्पकालिक लाभ की तुलना में नैतिकता को उजागर करता है। प्रयास को स्वीकार करने से सहानुभूति, सहयोग और एकता जैसे मूल्य पैदा होते हैं, जो एक परिपक्व और नैतिक समाज में योगदान करते हैं। 2019 क्रिकेट विश्व कप सेमीफाइनल में भारत के प्रयासों का जश्न मनाने वाले प्रशंसकों ने परिणामों से ज़्यादा प्रयास की सराहना करने की ओर एक बदलाव दिखाया। परिणामों से ज़्यादा प्रयास को महत्त्व देने से नैतिक सिद्धांतों को बढ़ावा मिलता है, खेलों में निष्पक्षता और समावेशिता की संस्कृति का पोषण होता है। यह दीर्घकालिक चरित्र निर्माण को बढ़ावा देता है और अनैतिक शॉर्टकट को रोकता है। हालांकि, एक सूक्ष्म दृष्टिकोण महत्त्वपूर्ण है, जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रयास कौशल विकास और प्रदर्शन लक्ष्यों के साथ संरेखित हों, ताकि प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बनाए रखा जा सके और साथ ही खेल कौशल और अखंडता को बढ़ावा दिया जा सके।

कभी-कभी हम अपने जीवन को सफल बनाने के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण कदम उठाते हैं। अपना सबकुछ दांव पर लगाकर आगे बढ़ते हैं, पूरे जी जान से मेहनत करते हैं ताकि कुछ अच्छा हो लेकिन यह जरूरी नहीं कि आप सफल हो ही जाएँ। सफलता और असफलता दोनों के मौके समान रहते हैं। आप सफल हुए तो आपके अबतक के संघर्ष पर पूर्ण विराम लग जाएगा लेकिन दूसरी स्थिति बहुत विकट होती है जब आप अपनी मेहनत को डूबता हुआ देखते हैं। युवाओं के लिए यह स्थिति और भी ज़्यादा खराब होती है क्योंकि वह ऐसी स्थिति का सामना जीवन में पहली बार कर रहे होते हैं। ऐसे समय में धैर्य और संयम के साथ आगे बढ़ना ही सर्वोत्तम उपाय है। ऐसे व्यक्ति को जीवन में सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। ऐसे ही हिम्मती और धैर्यवान लोगों के लिए लिखा गया है-कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत के लिए चेतावनी है कैलिफोर्निया की जंगल की आग

-प्रियंका सौरभ

पिछले हफ़्ते से लॉस एंजिल्स में अग्निशामक दल विनाशकारी जंगल की आग को बुझाने के लिए हताशा से भरी मुहिम में जुटे हुए हैं। इस दावानल ने कई लोगों की जान ले ली और दो लाख से ज़्यादा निवासियों को विस्थापन के लिए मजबूर कर दिया है। आग ने प्रशांत पैलिसेड्स और अल्ताडेना जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में कहर बरपाया है। इस आपदा ने घरों, पूजास्थलों और महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे को बर्बाद कर दिया है, जिससे कई लोगों को आश्रयों में रहना पड़ा है और हजारों लोग बिना बिजली के रह गए हैं।

आग से हुए आर्थिक नुकसान की स्थिति चौंकाने वाली है। अनुमान के मुताबिक .135 बिलियन से .150 बिलियन के बीच यह नुकसान है। यह अमेरिका के इतिहास में दावानल से होने वाला सबसे बड़ा आर्थिक नुकसान है। इस विनाशकारी आग से मिट्टी की उर्वरता, जल प्रणालियों, वन्य जीवों के नुकसान और वायु पर पड़े खराब गुणवत्ता का असर लंबे समय तक बने रहने की आशंका है।

कैलिफ़ोर्निया में शहरी प्रबंधन पर सवाल उठ रहे हैं। बढ़ते वैश्विक तापमान और लंबे समय तक सूखे ने जंगल की आग के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ पैदा की। वन क्षेत्रों में अतिक्रमण ने जानमाल के लिए जोखिम बढ़ा दिया।

पुराने विद्युत ग्रिड और खराब तरीके से प्रबंधित बुनियादी ढांचे ने अक्सर जंगल में आग लगने की घटनाओं को बढ़ावा दिया, जैसा कि 2018 के कैंप फायर में देखा गया था। जंगल में आग लगने की घटनाओं का पैमाना अक्सर अग्निशमन संसाधनों और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों को प्रभावित करता है।

जंगल की आग से प्रभावित क्षेत्रों में उपनगरीय क्षेत्रों में आग को रोकने के लिए डिजाइन और जोनिंग नियमों का अभाव है। जंगल की आग से वायु की गुणवत्ता में काफी गिरावट आती है, जिससे शहरी आबादी प्रभावित होती है और सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय में वृद्धि होती है। पुनर्निर्माण की उच्च लागत और अपर्याप्त बीमा कवरेज ने कई निवासियों को आर्थिक रूप से तनाव में डाल दिया है।

कैलिफोर्निया में जंगल की आग, भारत के लिए कड़ी चेतावनी है। भारत के लिए सबक जलवायु परिवर्तन शमन है। भारत को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और जलवायु परिवर्तन के दीर्घकालिक प्रभावों को कम करने के लिए महत्त्वाकांक्षी जलवायु कार्यवाही को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिसमें अधिक लगातार और तीव्र चरम मौसम की घटनाएँ शामिल हैं। पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में अतिक्रमण को रोके जाने की जरूरत है। शहरी गर्मी के प्रभावों को कम करने और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए हरी छतों, शहरी जंगलों और हरित स्थानों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। जंगल की आग से प्रभावित क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा के लिए सख्त बिल्डिंग कोड लागू करें। समय पर अलर्ट प्रदान करने और निकासी की सुविधा के लिए उन्नत चेतावनी प्रणालियों में निवेश करें। समुदाय-आधारित आपदा तैयारी योजनाओं और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताओं को मजबूत करें। सक्रिय वन प्रबंधन रणनीतियाँ विकसित करें जिसमें नियंत्रित जलाना और ईंधन में कमी के उपाय शामिल हों। संधारणीय भूमि उपयोग प्रथाओं को बढ़ावा दें, प्राकृतिक पारिस्थितिकी प्रणालियों की रक्षा करें और क्षरित परिदृश्यों को बहाल करें।

जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए शहरी नियोजन प्रथाओं को लागू कर और आपदा तैयारियों में निवेश करके भारत पर्यावरणीय संकटों से जुड़े जोखिमों को कम कर सकता है। भारत में जंगल की आग गंभीर चिंता का विषय है, खासकर मध्य प्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे क्षेत्रों में, जहाँ शुष्क पर्णपाती वन बहुतायत में हैं। ये आग, मुख्य रूप से अप्रैल और मई में होती है, जो पर्याप्त वनस्पति और कम मिट्टी की नमी के कारण होती है। झूमिंग जैसी पारंपरिक प्रथाएँ पूर्वोत्तर भारत में जंगल की आग का कारण बनती हैं। आग की घटनाओं पर सीमित सांख्यिकीय जानकारी के कारण उपग्रह डेटा महत्त्वपूर्ण है। भारत में लगभग 90 प्रतिशत जंगल की आग मानवीय गतिविधियों के कारण होती है, जिसके लिए मजबूत रोकथाम रणनीतियों की आवश्यकता है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

उद्यमियों की अगली पीढ़ी को आकार दे रही स्टार्टअप इंडिया

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

जब युवा मानसिकता और सरकारी नीतियाँ नौकरी चाहने वालों की तुलना में नौकरी देने वालों को प्राथमिकता देती है तो राष्ट्र समृद्ध होता है। मोदी सरकार पिछले दस वर्षों से विभिन्न कार्यक्रमों और नीतियों के माध्यम से यही कर रही है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया और इसी तरह की अन्य नीतियाँ युवाओं के शोध और नवोन्मेषी प्रतिभा, ज्ञान, कौशल और उद्यमिता को बेहतर बनाने के लिए स्थापित की जा रही हैं। आइए देखें कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में स्टार्टअप इंडिया पहल कैसे विकसित हुई।

भारत स्टार्टअप इंडिया के नौ साल पूरे होने का जश्न मना रहा है, जो 2016 में शुरू हुई परिवर्तनकारी यात्रा है। राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस स्वस्थ और समावेशी व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र की प्रगति में राष्ट्र की प्रगति का जश्न मनाता है।

भारत सरकार की प्रमुख पहल के रूप में शुरू किए गए स्टार्टअप इंडिया का उद्देश्य रचनात्मकता को बढ़ावा देना और देशभर में उद्यमियों के विकास में तेजी लाना है।

15 जनवरी, 2025 तक उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) द्वारा मान्यता प्राप्त 1.59 लाख से अधिक फर्मों के साथ भारत ने दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। 100 से अधिक यूनिकॉर्न के नेतृत्व में यह मजबूत इकोसिस्टम वैश्विक स्तर पर नवाचार और उद्यमिता को फिर से परिभाषित कर रहा है। बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर जैसे प्रमुख केंद्रों ने इस बदलाव की अगुआई की है, जबकि छोटे शहरों ने देश के उद्यमशीलता अभियान में तेजी से योगदान दिया है। फिनटेक, एडटेक, हेल्थ-टेक और ई-कॉमर्स स्टार्टअप ने स्थानीय बाधाओं को पार करते हुए दुनिया भर में प्रमुखता हासिल की है। जोमैटो, नाइका और ओला जैसी कंपनियाँ भारत के नौकरी चाहने वालों से रोजगार उत्पादकों की ओर बदलाव को दर्शाती हैं, जो आर्थिक विकास को गति देता है।

स्टार्टअप इंडिया की प्रमुख उपलब्धियाँ

पिछले नौ वर्षों में स्टार्टअप इंडिया पहल ने देश के मजबूत उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने नवाचार और समावेशिता को प्रोत्साहित कर जबरदस्त उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज पर इसके प्रभाव को दर्शाता है। डीपीआईआईटी-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या 2016 में लगभग 500 से बढ़ कर 15 जनवरी, 2025 तक 1,59,157 हो गई है। 31 अक्टूबर, 2024 तक, 73,151 मान्यता प्राप्त व्यवसायों में कम से कम एक महिला निदेशक थीं, जो भारत में महिला उद्यमियों की संख्या में वृद्धि को दर्शाता है। 2016 से 31 अक्टूबर, 2024 तक, मान्यता प्राप्त स्टार्टअप ने कथित तौर पर 16.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियाँ पैदा कीं, जिसने रोज़गार सृजन में बड़ा योगदान दिया।

स्टार्टअप इंडिया की मुख्य विशेषताएँ

व्यापार में आसानी- सरलीकृत अनुपालन, स्व-प्रमाणन और एकल-खिड़की मंजूरी उद्यमियों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाती है।

कर लाभ- पात्र स्टार्टअप को लगातार तीन वित्तीय वर्षों के लिए करों का भुगतान करने से छूट दी जाती है। स्टार्टअप के लिए 10,000 करोड़ रुपये का फंड ऑफ फंड (स्नस्नस्) शुरुआती चरण में स्टार्टअप के लिए वित्त प्रदान करता है।

क्षेत्र-विशिष्ट नीतियाँ- जैव प्रौद्योगिकी, कृषि और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में केंद्रित नीतियाँ लक्षित विकास को बढ़ावा देती हैं।

स्टार्टअप द्वारा उद्योग-वार सृजित नौकरियाँस्टार्टअप विशिष्ट उद्योगों में नौकरियाँ प्रदान करते हैं। आईटी सेवा उद्योग 2.04 लाख नौकरियों के साथ सबसे आगे है, उसके बाद हेल्थकेयर और लाइफसाइंसेज 1.47 लाख नौकरियाँ, प्रोफेशनल व कमर्शियल सेवाएँ 94,000 नौकरियाँ प्रदान की हैं। ये योगदान आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने और उद्योगों में विविध रोजगार के अवसर प्रदान करने में स्टार्टअप के महत्व पर जोर देते हैं।

स्टार्टअप इंडिया के तहत अन्य पहल

स्टार्टअप इंडिया परियोजना क्षमता बढ़ाने, आउटरीच को बढ़ावा देने और पारिस्थितिकी तंत्र की भागीदारी में सुधार लाने के उद्देश्य से विभिन्न पहलों के माध्यम से व्यवसायों को सहायता प्रदान करती है। ये पहल पूरे भारत में मजबूत और समावेशी उद्यमशीलता माहौल का निर्माण सुनिश्चित करती हैं।

अंतरराष्ट्रीय संपर्क और भागीदारी

भारत की जी-20 प्रेसीडेंसी ने वैश्विक आर्थिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप 20 एंगेजमेंट ग्रुप की स्थापना की। देशभर में आयोजित बैठकों में भारत के क्षेत्रीय स्टार्टअप इकोसिस्टम पर प्रकाश डाला गया, जिससे दुनिया भर में संपर्क बढ़ा। सरकार-से-सरकार के बीच संबंध, वैश्विक मंचों में भागीदारी, अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों की मेजबानी और अन्य देशों के साथ पुल विकसित करने से सीमा पार सहयोग में मदद मिली है।

पारिस्थितिकी तंत्र सहयोग को प्रोत्साहित करना

स्टार्टअप इंडिया हब पोर्टल उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र के हितधारकों के लिए पूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। यह पहल द्वारा प्रदान किए जाने वाले संसाधनों, सूचनाओं और लाभों तक पहुँच प्रदान करता है, स्टार्टअप और उद्यमियों, विशेष कर महानगरीय क्षेत्रों से बाहर रहने वालों के लिए पहुँच बढ़ाकर समावेशिता सुनिश्चित करता है।

भास्कर- भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त बनाना

उपर्युक्त उपायों के अलावा उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) ने सितंबर 2024 में भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री (BHASKAR) प्लेटफ़ॉर्म बनाया। स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम का हिस्सा यह अत्याधुनिक पहल भारत के उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र में बातचीत को मजबूत और सुव्यवस्थित करने का प्रयास करती है। भास्कर का उद्देश्य उद्यमिता में वैश्विक नेता बनने के भारत के उद्देश्य के अनुरूप स्टार्टअप, निवेशकों, सलाहकारों, सेवा प्रदाताओं और सरकारी संगठनों को जोड़कर नवाचार, सहयोग और विकास को प्रोत्साहित करना है।

स्टार्टअप महाकुंभ- नवाचार को बढ़ावा देना

स्टार्टअप महाकुंभ प्रमुख कार्यक्रम है जो स्टार्टअप, यूनिकॉर्न, सूनिकॉर्न, निवेशकों, उद्योग के नेताओं और पारिस्थितिकी तंत्र के अभ्यास को एक स्थान पर एक साथ लाता है। यह भारत की उद्यमशीलता की भावना और तकनीकी क्षमताओं पर प्रकाश डालता है, साथ ही देश के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने के लिए संवाद को प्रोत्साहित करता है। 2024 में उद्घाटन संस्करण ने एक शानदार मिसाल कायम की, जिसमें दस विषयगत मंडपों में 1,300 से अधिक प्रदर्शक शामिल हुए। इसने 48,000 से अधिक कॉर्पोरेट आगंतुकों को आकर्षित किया और अभिनव विचारों और सार्थक सहयोग के लिए एक गतिशील चुंबक बन गया।

सम्मेलन में 392 प्रमुख वक्ताओं ने भाग लिया, जिनमें यूनिकॉर्न संस्थापक, दूरदर्शी, नीति निर्माता और प्रभावशाली लोग, साथ ही 5,000 प्रतिनिधि और 200 से अधिक शीर्ष निवेशक, उद्यम पूंजीपति शामिल थे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, एक उत्साहजनक भाषण दिया और प्रदर्शनी का दौरा किया, जिसमें भारत के उद्यमशीलता परिदृश्य में स्टार्टअप महाकुंभ के महत्व पर प्रकाश डाला गया। दूसरा संस्करण, जो 3-5 अप्रैल, 2025 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा, जिसका विषय होगा ্রस्टार्टअप इंडिया श्च 2047-भारत की कहानी का खुलासा।্র यह भविष्योन्मुखी थीम भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम के भविष्य की जांच का प्रयास करती है क्योंकि देश 2047 तक नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने का प्रयास कर रहा है।

संक्षेप में, जैसा कि भारत स्टार्टअप इंडिया पहल की नौवीं वर्षगांठ मना रहा है, देश के उद्यमशीलता परिदृश्य में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। 1.59 लाख से अधिक डीपीआईआईटी-मान्यता प्राप्त फर्मों और बढ़ते कार्यबल के साथ भारत ने नवाचार और उद्यमिता के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। इसकी प्रमुख पहल, क्षमता निर्माण गतिविधियाँ, भास्कर जैसे प्लेटफ़ॉर्म और स्टार्टअप महाकुंभ जैसे आयोजनों ने गैर-महानगरीय शहरों सहित विभिन्न उद्योगों और क्षेत्रों में व्यवसायों को सशक्त बनाया है। जैसा कि भारत वैश्विक नवाचार नेतृत्वकर्ता बनने का प्रयास कर रहा है, स्टार्टअप इंडिया पहल एक महत्वपूर्ण आर्थिक इंजन बनी हुई है, जो समावेशी और संपन्न उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

फुटसल एशियाई कप में भारतीय टीम हांगकांग से हारी

एजेंसी

योग्यकार्ता (इंडोनेशिया)। अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही भारतीय महिला फुटसल टीम का एएफसी महिला फुटसल एशिया कप 2025 के लिए ग्रुप बी क्वालीफायर मुकाबले में हांगकांग से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। आज यहां योग्यकार्ता के अमंग रोगो स्पोर्ट्स हॉल में खेले गये मुकाबले में हांगकांग के लिए च्युंग वाइ की ने (13वें, 23वें, 40वें) मिनट में गोल दागकर हैट्रिक बनायी और वाइ यूएन टिंग ने (27वें) मिनट तथा कुंग यूएट चारिस ने (35वें) मिनट में किये गोल की बदौलत हांगकांग ने भारतीय टीम के खिलाफ जीत दर्ज की। मैच के दौरान भारतीय गोलकीपर तन्वी विजयकुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हांगकांग के शुरुआती हमलों को विफल किया। भारतीय टीम अपना अगला मैच मेजबान इंडोनेशिया के खिलाफ खेलेगी।

साकिब महमूद को इंग्लैंड के भारत दौरे के लिए मिला वीजा

नई दिल्ली। साकिब महमूद को आखिरकार भारत में इंग्लैंड की आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए अपना वीजा मिल गया है, जिसका अर्थ है कि वह बुधवार को होने वाले पहले टी20 मैच से पहले टीम के साथ कोलकाता जा सकेंगे। पाकिस्तानी मूल के महमूद को यात्रा दस्तावेज प्राप्त करने में देरी का सामना करना पड़ा, जिसके कारण वे संयुक्त अरब अमीरात में इंग्लैंड के प्रशिक्षण शिविर में भाग नहीं ले सके। हालांकि आदिल राशिद और रेहान अहमद को पहले ही अपना वीजा मिल गया था। लंकाशायर के इस तेज गेंदबाज को पहले भी इसी तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा था, जब 2019 में इंग्लैंड की टीम भारत दौरे पर आई थी। 2024 में, वीजा की धीमी प्रक्रिया के कारण इंग्लैंड के ऑफ स्पिनर शोएब बशीर भी हैदराबाद में भारत के खिलाफ पहला टेस्ट मैच चूक गए थे। महमूद को भारत दौरे से पहले अबू धाबी में तेज गेंदबाजी सलाहकार जेम्स एंडरसन के नेतृत्व में एक तेज गेंदबाजी शिविर में भाग लेना था, जिसमें जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और मार्क वुड जैसे खिलाड़ी शामिल थे। 27 वर्षीय महमूद ने नवंबर में कैरिबियन में इंग्लैंड की टी20आई सीरीज के दौरान 10.55 की औसत से नौ विकेट लिया था, जिससे उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था।

निक पोथास ने बांग्लादेश के सहायक कोच पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। बांग्लादेश के सहायक कोच निक पोथास ने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। 2023 में बांग्लादेश के कोचिंग स्टाफ़ में शामिल होने वाले पोथास को शुरू में मार्च 2026 तक काम करने के लिए अनुबंधित किया गया था। हालाँकि, पूर्व दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ने आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले पद छोड़ने का फैसला किया। पोथास ने अपने फेसबुक पेज पर एक पोस्ट कर अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, सभी अच्छी चीजों की तरह, यह भी खत्म होना चाहिए। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के साथ रहते हुए मैंने कुछ बेहतरीन लोगों के साथ शानदार समय बिताया है। हमने इस दौरान कई रिकॉर्ड तोड़े हैं, इतिहास रचा है और अद्भुत यादें बनाई हैं। अब घर पर कुछ बेहतरीन समय बिताने और यह देखने का समय है कि अगला अध्याय क्या लेकर आता है। मैं बांग्लादेश क्रिकेट के सभी लोगों को आने वाले रोमांचक वर्ष के लिए शुभकामनाएं देता हूं। मैं आपको मिस करूंगा। एक दशक से ज्यादा लंबे कोचिंग करियर में पोथास वेस्टइंडीज़ (2018-2019) और श्रीलंका (2017-2018) दोनों के लिए मुख्य कोच के तौर पर काम कर चुके हैं।

अखिल भारतीय शतरंज महासंघ ने विश्व चैंपियन गुकेश और रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी को किया सम्मानित

नई दिल्ली। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने एक भव्य समारोह में विश्व शतरंज चैंपियन गुकेश डोमराजू और विश्व रैपिड शतरंज चैंपियन कोनेरू हम्पी को सम्मानित किया। 18 वर्षीय गुकेश ने दिसंबर 2024 में सिंगापुर में आयोजित विश्व शतरंज चैंपियनशिप के फाइनल में चीन के डिंग लिरेन को हराकर इतिहास रच दिया था। वह विश्वनाथन आनंद के बाद यह खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय और सबसे युवा विश्व चैंपियन हैं।गुकेश को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए 1 करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया गया, जबकि उनकी सपोर्ट टीम के लिए 50 लाख रुपये की घोषणा की गई। महिला वर्ग में, कोनेरू हम्पी ने 2024 फिडे महिला विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में इरेन सुकंदर को हराकर खिताब अपने नाम किया। 37 वर्षीय हम्पी को उनकी इस उपलब्धि के लिए 50 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा, फिडे विश्व ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप 2024 में कांस्य पदक विजेता आर. वैशाली रमेशबाबू को भी 20 लाख रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया।

भारतीय महिलाओं ने मलेशिया को तथा पुरुष टीम ने भूटान को हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। खो खो विश्वकप में भारतीय महिलाओं ने मलेशिया को 80 अंको तथा पुरुष टीम ने भूटान को 37 अंक से हराया। इसी के साथ दोनों भारतीय टीमों ने क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली हैं। आज यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में भारतीय पुरुष टीम ने भूटान को 71-34 से हराया। इस जीत से भारत का ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है। मेजबान टीम ने पहले टर्न में ही शानदार आक्रमण करते हुए 32 अंक अर्जित किए। भारतीय टीम के स्काई डाइविंग कौशल विशेष रूप से उल्लेखनीय थे, जिसमें खिलाड़ियों ने पूरे मैच के दौरान उल्लेखनीय चपलता का प्रदर्शन किया दूसरे टर्न में, भारत ने अपनी रक्षात्मक विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया और भूटान के हमलों को प्रभावी ढंग से रोका। भूटान की टीम गति के बावजूद, भारत के रणनीतिक खेल और चतुर प्रबंधन की बदौलत तीन बैचों में केवल 18 अंक ही हासिल कर पाई। तीसरे टर्न

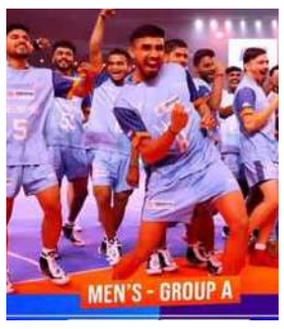

में भारत ने नए जोश के साथ आक्रमण मोड में वापसी की। निखिल अपनी असाधारण स्काई डाइविंग क्षमताओं के साथ एक बेहतरीन प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरे, जिससे टीम को 36 अंक हासिल करने में मदद मिली। भारतीयों ने अपने खोस में बेहतरीन समन्वय का प्रदर्शन किया, रनिंग टच और स्काई डाइव को प्रभावी ढंग से संयोजित किया। भूटान ने अपने अंतिम आक्रमणकारी मोड़ में संघर्ष किया और आधे से अधिक समय में केवल 9 अंक ही प्राप्त किए। भारत के समग्र प्रदर्शन में उनके आक्रमणकारी मोड़ों में 18 स्काई डाइव, 2 पोस्ट-डाइव पॉइंट और 8 रनिंग टच पॉइंट का प्रभावशाली टैली शामिल था। वही महिला वर्ग के मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने रणनीति और कौशल के मास्टरक्लास में मलेशिया को एक शानदार जीत के साथ कुचल दिया। डिफेंडर भीलर ओपिनबेन और मोनिका के शानदार ड्रीम रन से शुरुआत करते हुए भारतीय टीम ने सभी चार टर्न पर अपना दबदबा बनाए रखा और 80 अंकों की शानदार जीत हासिल की। इस जीत ने भारत को ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंचा दिया और अब क्वार्टर फाइनल में उसका मुकाबला बंगलादेश से होगा। खेल की शुरुआत ड्रीम रन के साथ हुई, जिसमें पहले टर्न के बाद दोनों टीमें 6-6 से बराबरी पर थीं। भारत ने दूसरे टर्न में नियंत्रण हासिल किया और मलेशिया के पहले बैच को जल्दी से खत्म कर दिया और मोनिका और निर्मला भाटी के दमदार प्रदर्शन के जरिए 44-6 की बढ़त बना ली। सुभाश्री सिंह ने टर्न 3 में एक और ड्रीम रन का नेतृत्व किया और बढ़त को 48-20 तक पहुंचा दिया। अंतिम टर्न में भारत ने अपना दबदबा बनाए रखते हुए लगातार तीसरी जीत हासिल की। इससे पहले रणनीति और कौशल के बेहतरीन प्रदर्शन के साथ भारतीय महिला खो-खो टीम ने गुरुवार रात इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में जारी खो-खो विश्व कप 2025 में मलेशिया के खिलाफ शानदार जीत के साथ अपना अपराजित क्रम जारी रखा है। डिफेंडर भीलर ओपिनबेन और मोनिका के शानदार ड्रीम रन से शुरुआत करते हुए भारतीय टीम ने चारों टर्न पर अपनी ताकत दिखाई और आखिरकार 80 अंकों की शानदार जीत हासिल की।

स्कूलकेट को हराकर सिनर ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में

एजेंसी

मेलबर्न। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर और जैस्मीन पाओलिनी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंच गये है। आज यहां खेले गये मुकाबले में गत चैंपियन और विश्व नंबर वन खिलाड़ी सिनर ने 23 वर्षीय स्कूलकेट के खिलाफ खराब शुरुआत से उबरते हुए 4-6, 6-4, 6-1, 6-3 से जीत दर्ज की। मैच के बाद के साक्षात्कार में सिनर ने कहा, मुझे लगा कि वह वास्तव में अच्छी सर्विस कर रहा था और शुरुआत में मुझसे कहीं बेहतर खेल रहा था।यह एक बहुत ही खास जगह है, विशेषकर जब ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहा हो। इस बीच महिला वर्ग के एकल मुकाबले में इटली की जैस्मीन पाओलिनी ने गति, कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए मेक्सिको की रेनाटा जराजुआ को 6-2, 6-3 से हराया। मैच के बाद पाओलिनी ने कहा, मैं इस कोर्ट पर खेलने के लिए स्वयं को बहुत भाग्यशाली महसूस करती हूं। रोशनी की वजह से यहाँ बहुत गर्मी है। मैं यहाँ अपनी पहली जीत वाकई बहुत खुश हूँ।

उत्तम प्रदर्शन करने वाले 25 क्रिकेट खिलाड़ियों का सम्मान

एजेंसी

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर में भरतपुर जिला क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में अंडर 16 एवं अंडर 19 टीमों के 25 खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। क्रिकेट संघ के प्रवक्ता ने बताया कि कार्यक्रम में भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर दीपक चाहर और रवि विश्नोई के साथ गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेडम भी उपस्थित रहे।

प्रवक्ता ने बताया कि कार्यक्रम में दीपक चाहर ने भरतपुर के क्रिकेट खिलाडियों के रणजी ट्राफी साथ राष्ट्रीय स्तर पर अंडर-19 में खेलने पर प्रसन्नता जाहिर की। क्रिकेटर रवि विश्नोई ने भरतपुर के क्रिकेट खिलाड़ियों के सभी स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने का जिक्र करते कहा कि

इसमें जिला क्रिकेट संघ की महती भूमिका रही है। इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ के सचिव शत्रुघन तिवारी सहित संघ के पदाधिकारियों ने आगन्तुक अतिथियों का स्वागत किया।

डब्ल्यूपीएल के मैच चार शहरों में खेले जायेंगेः बीसीसीआई

एजेंसी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया कि वीमेंस प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) 2025 के सभी 22 मुकाबले बड़ौदा, बेंगलुरू, लखनऊ और मुंबई में खेलें जायेंगे। बीसीसीआई ने कहा कि 14 फरवरी से 15 मार्च के बीच होने वाले सभी मुकाबलों का आयोजन बड़ौदा, बेंगलुरू, लखनऊ और मुंबई में होगा। यह पहली बार होगा जब यह टूर्नामेंट चार शहरों में खेला जायेगा।

डब्लयूपीएल तीसरे सीजन का का पहला मैच 14 फरवरी से बड़ौदा के बीसीए स्टेडियम में गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) और मेजबान गुजरात जायंट्स (जीजी) के बीच होगा। बड़ौदा में कुल छह मैच खेले जाएंगे और सभी पांच टीमें दो-दो मैच खेलेंगी। इसके बाद बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में 21 फरवरी को आरसीबी और मुंबई इंडियंस (एमआई) का मैच होगा। बेंगुलुरू में सर्वाधिक आठ मैच खेले जाएंगे और एक मार्च को वहां अंतिम मैच दिल्ली

कैपिटल्स (डीसी) और मेजबान आरसीबी के बीच आयोजित होगा। टूर्नामेंट के तीसरे चरण में लखनऊ में मेजबान यूपी वॉरियर्स की टीम तीन मार्च को जीजी से मुकाबीला करेगी। लखनऊ में चार मैच होंगे और आठ मार्च को वहां यूपी और आरसीबी के बीच मैच होगा। इसके बाद अंतिम दौर के मैच मुंबई के ब्रेब्रोन स्टेडियम में एलिमिनेटर और फाइनल सहित कुल चार मैच खेले जाएंगे। एलिमिनेटर 13 मार्च और फाइनल 15 मार्च को होगा।

पीटी उषा ने रखा प्रस्ताव, बोलीं- 'ओलंपिक, राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों की स्पर्धा को ही राष्ट्रीय खेलों में शामिल किए जाए'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने प्रस्ताव रखा कि केवल ओलंपिक, राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में शामिल खेलों को ही भविष्य के राष्ट्रीय खेलों में शामिल करने पर विचार किया जाए। इस कदम का उद्देश्य 'कई क्षेत्रीय खेलों' को पदक स्पर्धाओं में शामिल होने से रोकना है। उषा ने कहा कि वह आईओए की अगली आम सभा में इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने का इरादा रखती हैं। आईओए अध्यक्ष ने अपने प्रस्ताव में यह भी कहा कि केवल उन्हीं खेलों को कार्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए जिनकी संचालन संस्था राष्ट्रीय खेलों के शुरू होने से एक साल पहले आईओए के साथ राष्ट्रीय महासंघ के रूप में 'अच्छी स्थिति' में हो। इसका मतलब यह हो सकता है कि जिस राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) का खेल राष्ट्रीय खेलों में पदक सूची में शामिल होगा उसे आईओए से

मान्यता प्राप्त होना चाहिए और उसके चुनाव भी होने चाहिए। इसके अलावा उसकी स्थिति में कोई कानूनी विवाद नहीं होना चाहिए और संबद्धता शुल्क जमा करना होगा। उषा ने आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, ''हाल के खेलों में प्रदर्शनी खेलों के रूप में स्वदेशी क्षेत्रीय खेलों को शामिल करना एक उल्लेखनीय विशेषता रही है जिसका उद्देश्य स्थानीय दर्शकों को आकर्षित करना और क्षेत्रीय खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि पिछले खेलों के दौरान कई क्षेत्रीय खेलों को खेल तकनीकी संचालन समिति (जीटीसीसी) द्वारा पदक कार्यक्रम में शामिल किया गया था। आईओए इन खेलों के महत्व को पहचानता है लेकिन प्रदर्शनी और पदक स्पर्धाओं के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देता है।'' आईओए अध्यक्ष ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि राष्ट्रीय खेलों के पदक विजेता राज्य और केंद्र सरकार की नौकरियों में आरक्षण, मूल वेतन में वृद्धि और पुरस्कार राशि जैसे लाभ के हकदार हैं जिससे पदक स्पर्धाओं को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में मान्यता प्राप्त खेलों के साथ जोड़ना और भी आवश्यक हो जाता है। उन्होंने बयान में कहा, ''प्रस्ताव में सिफारिश की गई है कि आगामी ओलंपिक खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में शामिल किए गए खेलों को ही राष्ट्रीय खेलों में शामिल करने पर विचार किया जाए, बशर्ते कि आईओए से मान्यता प्राप्त संबंधित राष्ट्रीय महासंघ खेलों के शुरू होने से कम से कम एक वर्ष पहले आईओए के साथ अच्छी स्थिति में हो।''

चार्ली डीन डब्ल्यूपीएल 2025 में आरसीबी के लिए खेलेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आगामी वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के लिए चोटिल सोफी मोलिनक्स की जगह इंग्लैंड की ऑलराउंडर चार्ली डीन को टीम में शामिल किया है।

ऑस्ट्रेलिया की बाएं हाथ की स्पिनर मोलिनक्स घुटने की चोट को लेकर सर्जरी के कारण इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू एशेज सीरीज से बाहर हो गई हैं। डीन को पिछले वर्ष अक्टूबर-नवंबर में डब्ल्यूबीबीएल के दौरान उन्होंने घुटने की समस्या सामना करना पड़ा था। उन्होंने मेलबर्न रेनेगेड्स की कप्तानी होने के बावजूद वह 11 में से चार मैच नहीं खेली। डीन ने इंग्लैंड के लिए खेले 36 टी-20 में 18.19 की शानदार औसत से 46 विकेट लिए हैं। उनका डब्ल्यूपीएल में पर्दापण होना है। उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूपीएल की शुरुआत सात फरवरी से शुरु होंगे।

धीमी ओवर गति के लिए आयरलैंड महिला टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना

एजेंसी

राजकोट। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत के खिलाफ खेले गये तीसरे एकदिवसीय मैच में धीमी ओवर गति के लिए आयरलैंड की टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।एमिरेट्स आईसीसी अंतरराष्ट्रीय पैनल की मैच रेफरी जी एस लक्ष्मी ने तय समय से दो ओवर कम डालने पर आयरलैंड पर यह जुर्माना लगाया।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक बयान में कहा कि खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय के भीतर गेंदबाजी पूरी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। जो न्यूनतम ओवर गति अपराधों से संबंधित है। आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस ने प्रस्तावित जुर्माने को स्वीकार कर लिया। इसलिए औपचारिक सुनवाई

की कोई आवश्यकता नहीं रही।गौरतलब है कि बुधवार को खेले गए मैच में भारत ने तीसरा वनडे रिकॉर्ड 304 रन से जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। यह महिला वनडे में मेजबान टीम की सबसे बड़ी जीत भी थी। भारत की शानदार जीत की आधारशिला प्रतिका रावल (154) और स्मृति मंधाना (135) दोनों के शतकों से रखी गयी। भारत ने पांच विकेट गंवाकर 435 का विशाल स्कोर बनाया, जो महिला वनडे में उनका अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने मैदान में उतरी आयरलैंड टीम को भारतीय गेंदबाजों ने 31.4 ओवर में 131 रन पर ढेर कर दिया।

इंग्लैंड सीरीज के लिए सितांशु कोटक होंगे भारतीय टीम के बल्लेबाज कोच

एजेंसी

मुम्बई। सितांशु कोटक को सीमित ओवरों की सीरीज और चैंपियंस से पहले आगामी 22 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली घरेलू श्रृंखला के लिए टीम का बल्लेबाजी कोच बनाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सौराष्ट्र के पूर्व बल्लेबाज सितांशु कोटक भारत के बल्लेबाजी कोच बनने को तैयार हैं। वह मुख्य कोच गौतम गंभीर के कोचिंग स्टाफ के पांचवें सहायक सदस्य होंगे। 52 वर्षीय कोटक को 20 साल के प्रथम श्रेणी क्रिकेट का अनुभव है। उन्होंने 2013 में संन्यास लिया था। वह 2019 से ही एनसीए में एक बल्लेबाजी कोच के तौर पर जुड़े हैं।

उन्होंने इंडिया ए के कई दौरों पर प्रमुख कोच की भी भूमिका निभाई है। वह 2023 में आयरलैंड दौरे पर भारत की सीनियर टीम के भी कोच थे। उल्लेखनीय है कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मिली करारी हार के बाद पिछले सप्ताह भातीय क्रिकेट

कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक समीक्षा बैठक बुलाई थी। बैठक में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने बल्लेबाजी कोच रखने का सुझाव दिया था।

खो-खो के खेल ने मेरा पूरा जीवन बदल दिया :रामजी कश्यप

एजेंसी

नई दिल्ली। खो-खो विश्व कप में भारतीय पुरुष टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। भूटान के खिलाफ जीत में अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय ऑलराउंडर रामजी कश्यप ने संवाददाता सुनील दुबे से विशेष बातचीत की। रामजी ने अपने जीवन की संघर्षपूर्ण यात्रा और खो-खो के खेल से जुड़े अनुभव साझा किए।

मैं महाराष्ट्र के छोटे से गांव बेलापुर से हूं। जब मैं पांचवीं कक्षा में था, तो मेरी दौड़ने की गति बहुत तेज थी। मेरे एक शिक्षक ने मुझसे कहा, तू बहुत तेज भागता है, खो-खो खेलेगा क्या? मैंने तुरंत हां कहा और वहीं से मेरी खो-खो की यात्रा शुरू हुई। इसके बाद मैंने मेहनत जारी रखी और अब तक 11 राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में खेल चुका हूं।शुरुआती दिनों में यह सफर बेहद मुश्किल था। क्लब स्तर पर खेलते समय मेरे माता-पिता ने मेरा समर्थन नहीं किया। वे चाहते थे कि मैं पढ़ाई करूं और नौकरी तलाशूं,

क्योंकि हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। मेरे पिताजी बिस्किट के बॉक्स बनाते थे। हालांकि, मेरी बहन और बड़े भाई ने मेरा पूरा साथ दिया। उन्होंने कहा कि घर की जिम्मेदारी वे संभालेंगे और मुझे खेल पर ध्यान देना चाहिए। जब 2017 में भारतीय टीम में मेरा चयन हुआ, तब मेरे पास इतने पैसे भी नहीं थे कि मैं खेल के लिए जूते खरीद सकूं। मेरे कोच सोमा सर ने मेरी काफी मदद की। उन्होंने यात्रा का किराया दिया और जूते भी दिलवाए। उनके सहयोग के बिना मैं यहां तक नहीं पहुंच पाता। जब मेरा चयन नेशनल टीम में हुआ, तब सुविधाएं बहुत कम थीं। लेकिन फिर अल्टीमेट खो-खो लीग आई, जिसमें मैं दो साल तक बेस्ट प्लेयर रहा। इस खेल ने मुझे न केवल पहचान दिलाई, बल्कि रेलवे में नौकरी भी दी। आज मैं भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं और यह सब खो-खो की वजह से ही संभव हो पाया है। इस खेल ने सचमुच मेरा पूरा जीवन बदल दिया है। मेरी प्राथमिकता यही है कि मैं देश के लिए और बेहतर प्रदर्शन करूं और खो-खो को दुनिया में और ऊंचाई तक पहुंचाने में योगदान दूं। मैं चाहता हूं कि युवा खिलाड़ी इस खेल को अपनाएं और इसे अपनी पहचान बनाएं।

फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025: भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराया

एजेंसी

कोलंबो। फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत का अपराजेय क्रम चौथे दिन पाकिस्तान पर 5 विकेट की जीत के साथ जारी रहा। यह मैच एफटीजेड क्रिकेट ग्राउंड, कटुनायके में आयोजित किया गया था, जिसमें भारतीय टीम ने एक और उल्लेखनीय जीत दर्ज की। मैच में टॉस जीतकर पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 20 ओवर में 138/5 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। जीतेंद्र वी.एन. ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि नरेंद्र मंगोर और सनी ने एक-एक विकेट लेकर टीम का बहुमूल्य साथ दिया। सैफ उल्लाह ने 51 गेंदों पर 58 रनों की ठोस पारी खेलकर पाकिस्तान की पारी को संभाला। भारत की ओर से राजेश कन्नूर ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 52 गेंदों पर 10 चौके और एक छक्के की मदद से 74 रनों की शानदार नाबाद पारी खेली और भारत को 18 ओवर में 141/5 का स्कोर बनाने में मदद की। नियमित अंतराल पर विकेट खोने के बावजूद, कन्नूर के संयमित रवैये ने सुनिश्चित किया कि टीम आसानी से लक्ष्य तक पहुँच जाए। उनके असाधारण प्रदर्शन ने उन्हें मैन ऑफ द मैच का खिताब दिलाया। स्वयम की संस्थापक-अध्यक्ष स्मिनू जिंदल ने कहा, इस टूर्नामेंट में भारत का

प्रदर्शन असाधारण रहा है। प्रत्येक मैच उन क्रिकेटरों की क्षमता को दर्शाता है जो चुनौतियों से ऊपर उठते हैं और जुनून के साथ प्रदर्शन करते हैं। डीसीसीआई के साथ हमारी साझेदारी खेलों में समावेशिता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है, और टीम की सफलता दर्शाती है कि जब अवसर सुलभ हों तो क्या संभव है। उनकी उपलब्धियाँ देश भर में अनगिनत व्यक्तियों को प्रेरित करेंगी। मैन ऑफ़ द मैच राजेश कन्नूर ने कहा, मैं जीत में अहम भूमिका निभाकर रोमांचित हूँ। इस टूर्नामेंट में टीम की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देकर बहुत अच्छा लग रहा है। हमारे गेंदबाजों ने पाकिस्तान को रोकने का शानदार काम किया, जिससे हमें लक्ष्य का पीछा करने के लिए ध्यान केंद्रित करने का आत्मविश्वास मिला। मैं बस शांत रहना चाहता था, अपने शॉट्स चुनना चाहता था और टीम को जीत दिलाना चाहता था। हर खेल आगे बढ़ने और अपनी स्थिति को मजबूत करने का एक अवसर है, और मैं इस फॉर्म को जारी रखने के लिए उत्सुक हूँ। भारतीय कप्तान विक्रांत केनी ने कहा, हमारा प्रदर्शन इस टीम की ताकत और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। पाकिस्तान को नियंत्रण में रखने में जीतेंद्र की गेंदबाजी अहम रही और राजेश की बल्लेबाजी बेहतरीन रही। उनकी पारी ने न केवल लक्ष्य का पीछा करने में हमारी मदद की बल्कि हमें आत्मविश्वास के साथ खेल खत्म करने की गति भी दी। टीम इस जीत की लय को बनाए रखने के अपने लक्ष्य को लेकर एकजुट है और हम आगे की चुनौतियों को लेकर उत्साहित हैं। लगातार चार जीत के साथ भारत ने खुद को चैंपियनशिप के लिए एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित कर लिया है। टीम का अगला मुकाबला 18 जनवरी को इंग्लैंड से होगा।

महाकुंभ में कार्डबोर्ड पैकेजिंग बॉक्स के पोर्टेबल बिस्तर

एजेंसी

बेंगलुरु। ऑनलाइन मार्केटप्लेस अमेजन इंडिया महाकुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ ही पुलिसकर्मियों और अस्पताल को भी उपलब्ध कराये जायेंगे। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि महाकुंभ के दौरान आरामदायक विश्राम की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, अमेजन इंडिया ने एक अनोखी पहल शुरू की है, जिसके तहत वे अपनी सिग्नेचर कार्डबोर्ड पैकेजिंग बॉक्स को पोर्टेबल बिस्तरों में बदलेंगे, जिसका उद्देश्य उपस्थितों को आरामदायक नींद प्रदान करना है। ये बिस्तर उपस्थितों को मुफ्त में उपलब्ध होंगे। अमेजन ने महाकुंभ प्राधिकरण के साथ मिलकर इस मेले के मैदानों में उन प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की है, जहां ये अमेजन के बिस्तर अत्यंत आवश्यक आराम प्रदान करेंगे। इन बिस्तरों का एक बड़ा हिस्सा लॉस्ट एंड फाउंड केंद्र को आवंटित किया जाएगा, जहां ये संकट में फंसे लोगों की सहायता करेंगे, जबकि कुछ बिस्तर सामान्य जनता के लिए उपलब्ध होंगे। इसके अतिरिक्त, कुछ बिस्तर कुंभ पुलिस कर्मचारियों और कुंभ अस्पताल को भी प्रदान किए जाएंगे। इसका उद्देश्य है कि ये बिस्तर विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करें और मेले में उपस्थित अधिकतम लोगों के लिए उपलब्ध हों।

दुनिया का पहला कोल्ड-सेंसिटिव कलर-चेंजिंग स्मार्टफोन लॉंच

नयी दिल्ली। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी रियलमी ने भारतीय बाजार में दुनिया का पहला कोल्ड-सेंसिटिव कलर-चेंजिंग फोन रियलमी 14 प्रो सीरीज 5 जी लॉंच करने की घोषणा की जिसकी शुरूआती कीमत 22999 रुपये है। कंपनी ने यहां कहा कि इसके साथ ही रियलमी बड्स वायरलेस 5 एएनसी भी लॉंच किया गया है जिसकी कीमत 1599 रुपये है। रियलमी 14 प्रो सीरीज 5जी को डेनिश डिजाइन स्टूडियो वैल्यूर डिजाइनर्स के साथ मिलकर बनाया गया है। कंपनी ने कहा कि दोनों मॉडल 16 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान के संपर्क में आने पर रंग बदलते हैं, सफेद से जीवंत नीले रंग में परिवर्तित हो जाते हैं। यह अनूठी विशेषता पर्यावरण के तापमान के फिर से बढ़ने पर वापस आ जाती है। ब्रांड अपने सेगमेंट में पहला वेगान लेदर भी पेश करता है, जो त्वचा के अनुकूल स्पर्श और एक ठोस लेकिन आरामदायक बनावट प्रदान करता है। रियलमी 14 प्रो सीरीज 5 जी स्नैपड्रैगन 7 एस जेन थ्री 3 द्वारा संचालित है। कंपनी ने कहा कि रियलमी 14 प्रो प्लस 5 जी के तीन मॉडल 8 जीबी रैम और 128 रॉम की कीमत 27999 रुपये, आठ जी बी रैम और 256 जीबी रॉम की कीमत 29999 रुपये और 12 जीबी रैम और 256 जीबी रॉम की कीमत 30999 रुपये है। रियलमी 14 प्रो 5जी के दो मॉडल है। इसमें आठ जीबी रैम और 128 जीबी रॉम की कीमत 22999 रुपये तथा 8 जीबी रैम और 256 जीबी रॉम की कीमत 24999 रुपये है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ रहने के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.01 प्रतिशत बढ़कर 80.05 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82.00 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

खाद्य तेलों में टिकाव; दालों में मिलाजुला रुख

नयी दिल्ली । विदेशी बाजारों में आई गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर मांग कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव जबकि दालों का रुझान मिश्रित रहा वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में फरवरी का पाम ऑयल वायदा 40 रिंगिट गिरकर 4472 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह फरवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.22 सेंट फिसलकर 46.05 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल, और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। मसूर दाल 150 रुपये प्रति क्विंटल महंगी जबकि अरहर दाल 500 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई। वहीं, चना, दाल चना, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

गोयल ने स्टार्टअप इंडिया के 9वें स्थापना दिवस पर प्रभाव फैक्टबुक, भारत स्टार्टअप चैलेंज लॉन्च किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल?ली में स्टार्टअप इंडिया के 9वें स्थापना दिवस पर प्रभाव फैक्टबुक, भारत स्टार्टअप चैलेंज लॉन्च किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इंडिया मिशन की सफलता का श्रेय भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) द्वारा संचालित और भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित स्टार्टअप के लिए फंड ऑफ फंड्स (एफएफएस) जैसे वित्तपोषण साधनों को दिया जाना चाहिए। पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में स्टार्टअप इंडिया के 9 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह योजना विशेष रूप से टियर-II और टियर-III शहरों में स्टार्टअप

को समर्थन देने के लिए निजी पूंजी जुटाने के लिए एक परिवर्तनकारी उपकरण की तरह काम करती है, जिससे स्टार्टअप को अपने परिचालन को बढ़ाने और देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने में सशक्त बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और अधिक निजी फंडिंग के साथ स्टार्टअप आंदोलन को गति मिलेगी। वाणिज्य मंत्री ने स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में उद्यमियों के लिए भारत स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज की शुरुआत करते हुए कहा कि भारत स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज स्टार्टअप और इनोवेटर्स को 20 बड़ी कंपनियों के साथ मिलकर अक्षय ऊर्जा, एग्रीटेक, हेल्थकेयर, रोबोटिक्स, क्लीनटेक, ब्लॉकचेन, सेमीकंडक्टर, सोशल कॉमर्स आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में चुनौतियों का समाधान करने का अवसर देगा।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी के बढ़े भाव

एजेंसी

नई दिल्ली। एक दिन की मामूली गिरावट के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 80,220 रुपये से लेकर 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,550 रुपये से लेकर 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 93,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 80,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

गोदरेज कैपिटल ने राजस्थान में 70 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि हासिल की

एजेंसी

जयपुर। गोदरेज इंडस्ट्रीज समूह की वित्तीय सेवा इकाई गोदरेज कैपिटल ने राजस्थान में 70 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है। इसके साथ ही राज्य में कंपनी के कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का मूल्य 270 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। जयपुर ने इसमें महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जो कुल एयूएम का 80 प्रतिशत है।

कंपनी ने जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और अलवर में अपने कार्यालय स्थापित किए हैं और अब राजस्थान में 17 स्थानों पर अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। वर्तमान में कंपनी राज्य में लगभग 1,000 ग्राहकों को सेवाएं दे रही है और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग) ऋण में अग्रणी फाइनेंस कंपनी के रूप में उभरी है।

गोदरेज कैपिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ मनीष शाह ने गुरुवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि जयपुर हमारे राजस्थान पोर्टफोलियो का एक अहम हिस्सा है। हम टैक्सटाइल्स, मैन्यूफैक्चरिंग, सिरेमिक और एग्रो प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में एमएसएमई के विकास को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी इनोवेटिव ऋण योजनाएं

व्यवसायों को कुशलता से नकदी प्रवाह प्रबंधित करने में मदद कर रही हैं। गोदरेज कैपिटल ने पिछले साल राजस्थान में 150 से अधिक चैनल पार्टनर्स के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत किया है। हाल ही में लॉन्च किए गए फ्लेक्सी फंड और ओवरड्राफ्ट जैसी सुविधाओं ने व्यवसायों को वित्तीय स्थिरता प्रदान की है। जयपुर में कंपनी के ग्राहकों की संख्या बढ़कर 700 हो गई है, जो एमएसएमई समुदाय में गोदरेज कैपिटल की विश्वसनीयता को दर्शाती है। गोदरेज कैपिटल जल्द ही सप्लाई चेन फाइनेंस शुरू करने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना और एमएसएमई को सशक्त बनाना है। 2026 तक कंपनी की 30 हजार करोड़ रुपये की बैलेंस शीट हासिल करने की योजना है, जिसमें राजस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

जेके लक्ष्मी सीमेंट ने कैंपेन सोच करो बुलंद अपने ब्राण्ड को दी नई पहचान

एजेंसी

जयपुर। जेके लक्ष्मी सीमेंट ने अपने नए कैंपेन 'सोच करो बुलंद' के साथ ब्राण्ड की नई पहचान का अनावरण किया है। यह कैंपेन अपने घर के सपने से जुड़े सांस्कृतिक एवं भावनात्मक महत्व तथा साहसिक महत्वाकांक्षाओं को प्रेरित करने के जेके सीमेंट के दृष्टिकोण पर रोशनी डालता है। इस नई पहचान के साथ कंपनी अपने उपभोक्ताओं की बदलती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तत्पर है। यह कदम ऐसे स्थानों के निर्माण में भरोसेमंद पार्टनर बनने की कंपनी की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है जहां सपने वास्तविकता में बदल जाते हैं।

विनिता सिंघानिया, चेयरपर्सन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, जेके लक्ष्मी सीमेंट ने कहा, ''कई पीढ़ियों से जेके लक्ष्मी सीमेंट निर्माण सामग्री के दायरे से बढ़कर उपभोक्ताओं को अपनी सेवाएं प्रदान करता रहा है; यह लोगों के घर बनाने, उनके सपने संजोने और विरासत को आगे बढ़ाने में पार्टनर की भूमिका निभाता रहा है। ऐसे में यह रीपॉज़िशनिंग न सिर्फ हमारी छवि में बदलाव लाएगी बल्कि हमारे उपभोक्ताओं एवं हितधारकों को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने की

हमारी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करती है। अरूण शुक्ला, प्रेज़ीडेन्ट एवं डायरेक्टर, जेके सीमेंट ने कहा, ''हमारा कैंपेन 'सोच करो बुलंद' महत्वाकांक्षाओं और भरोसे के निर्माण के हमारे दृष्टिकोण का प्रतीक है। इस रीपॉज़िशनिंग के साथ हमने उपभोक्ताओं की बदलती ज़रूरतों को पूरा करने, इनोवेशन् एवं सस्टेनेबिलिटी के संयोजन के द्वारा उपभोक्ता उन्मुख समाधान उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है। आने वाले समय में हम न सिर्फ इमारतों बल्कि स्थायी विरासत के निर्माण में भी योगदान देते रहेंगे।' जेके लक्ष्मी सीमेंट की नई पहचान स्थायी विकास और उपभोक्ताओं के संतोष पर कंपनी के फोकस की पुष्टि करती है, जिसने 2030 तक 30 मिलियन मीट्रिक टन क्षमता हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। यह रीपॉज़िशनिंग सस्टेनेबिलिटी के लिए प्रतिबद्धता के साथ इस बात पर रोशनी डालती है कि कंपनी पर्यावरण एवं भावी पीढ़ियों के लिए ज़िम्मेदारी के साथ काम कर रही है।

डॉलर के मुकाबले 19 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉलर इंडेक्स की कमजोरी के बावजूद अमेरिकी 10 ईयर ट्रेजरी यील्ड में आए उछाल और कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी की वजह से रुपया आज 19 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसके पहले बुधवार को रुपये ने डॉलर की तुलना में 86.36 के स्तर पर कारोबार का अंत किया था। आज भारतीय मुद्रा 19 पैसे टूट कर 86.55 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई। मार्केट एक्सपर्ट सर्वेश्वर दयाल सिन्हा के अनुसार कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और इंपॉर्टर्स द्वारा डॉलर की मांग बढ़ा दिए जाने के कारण आज रुपये पर दबाव बन गया। राहत की बात यह रही कि डॉलर इंडेक्स में आई कमजोरी और वैश्विक स्तर पर इक्विटी मार्केट में बने पॉजिटिव माहौल के कारण रुपये की गिरावट सीमित दायरे में बनी रही। आपको बता दें कि अमेरिकी कोर कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के उम्मीद से कम हो जाने की वजह से डॉलर इंडेक्स कमजोर हुआ है। हालांकि सर्वेश्वर दयाल सिन्हा का कहना है कि आने वाले दिनों में

कच्चे तेल की कीमत में तेजी जारी रहने की उम्मीद है, जिसकी वजह से डॉलर की मांग बढ़ सकती है। अगर ऐसा हुआ तो रुपये की कीमत में और गिरावट आ सकती है। इसके साथ ही अगले सप्ताह डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद डॉलर इंडेक्स में और तेजी आने की संभावना भी जताई जा रही है, जिसका सीधा असर दुनिया की दूसरी मुद्राओं पर पड़ेगा। इस तरह डॉलर की तुलना में रुपये की कमजोरी भी बढ़ सकती है।

मप्र को शहडोल कॉन्क्लेव में मिले 32,520 करोड़ के निवेश प्रस्ताव, 30 हजार से अधिक को मिलेगा रोजगार

एजेंसी

भोपाल। शहडोल में प्रदेश की सातवीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की गई, जिसमें 32 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इससे 30 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। कॉन्क्लेव में 18 हजार करोड़ लागत और 1600 मेगावॉट क्षमता के थर्मल प्लांट के लिए अनुबंध हुआ। यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने यहां 15 उद्योगपतियों से वन टू वन चर्चा की। उन्होंने बताया कि यहां 102 इकाइयों को 402 हेक्टेयर जमीन दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में उद्यमशीलता के माध्यम से हम भारत को एक बार फिर सोने की चिड़िया बनाएंगे। वर्ष 2014 में जब मोदी की सरकार बनी थी, भारत की अर्थव्यवस्था के समक्ष गंभीर चुनौतियां थीं। भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था था। हमने अपनी आंतरिक शक्तियों, अनंत

संभावनाओं को पहचाना और आज हम आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मध्य प्रदेश में भी तेज गति से विकास हो रहा है। हमारा मध्य प्रदेश नौ करोड़ का परिवार है और आने वाले पांच वर्षों में हम अपनी जीडीपी को दोगुना करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि उद्योगपति हमारी सर्वे भवंतु सुखिनः की सनातन संस्कृति को चरितार्थ करते हैं। एक योद्धा जिस प्रकार युद्ध में देश के लिए अपना सर्वस्व अर्पण कर देता है उसी प्रकार एक उद्यमी कई परिवारों का भला करता है। यदि हम सभी अपनी-अपनी भूमिका को ठीक ढंग से निभाएं तो सभी का कल्याण होगा और देश तरक्की करेगा। अपने लिए जिए तो क्या जिए, हमें सभी के कल्याण के लिए जीना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरलता, सुगमता के साथ व्यापार, व्यवसाय हमारी औद्योगिक नीति है। राज्य में उद्योगों के अनुकूल वातावरण है। हम उद्योगों को सहकार, सहयोग और सम्मान देते हैं। राज्य में औद्योगिक श्रमिकों की कोई परेशानी नहीं है। पर्यटन, आईटी सेक्टर और रेडीमेड गारमेंट्स आदि क्षेत्रों में उद्योगों को विशेष इंसेन्टिव दिए जाते हैं। रेडीमेड गारमेंट्स में 200 प्रतिशत तक मदद दी जाती है और 10 वर्ष तक 5 हजार रुपये प्रति मजदूर इंसेन्टिव भी दिया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में प्रत्येक युवा को उसकी योग्यता और दक्षता के अनुरूप रोजगार मिलेगा। मध्यप्रदेश में पिछले कुछ समय में छह रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव आयोजित किये गए हैं, जिनमें 04 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया है और इनसे तीन लाख लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

फिक्की ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.4 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। इससे पहले उद्योग मंडल ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सात फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान जताया था।

फिक्की की ओर से जारी आर्थिक परिदृश्य सर्वेक्षण के ताजा अनुमान के अनुसार संशोधित अनुमान व्यापक अपेक्षाओं के अनुरूप है। फिक्की के आर्थिक परिदृश्य सर्वेक्षण के नवीनतम दौर में चालू वित?त वर्ष 2024-25 के लिए 6.4 फीसदी की वार्षिक औसत जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया है। वर्तमान सर्वेक्षण में पूर्वानुमान पिछले वर्ष सितंबर के महीने में आयोजित पिछले दौर में 2024-25 के लिए लगाए गए 7.0 फीसदी अनुमान से कम है। उद्योग मंडल ने कृषि क्षेत्र,

संबद्ध गतिविधियों सहित वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जारी अनुमान में 3.6 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद जताई है। दूसरी ओर उद्योग और सेवा क्षेत्रों में वित?त वर्ष 2024-25 में क्रमशः 6.3 फीसदी और 7.3 फीसदी की वृद्धि का अनुमान जताया है। सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में सुधार, त्योहारी मांग और मानसून के बाद औद्योगिक गतिविधि के सामान्य होने से चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है।

अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि एक फरवरी, 2025 को पेश होने वाला 2025-26 का केंद्रीय बजट वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और धीमी होती घरेलू वृद्धि के बीच आ रहा है। इसे देखते हुए आगामी केंद्रीय बजट में सरकार की नीति को आकार दे सकती हैं। दरअसल, फिक्की का ताजा अनुमान वित?त वर्ष 2023-24 में दर्ज वृद्धि दर की तुलना में काफी कम है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी के अपने पहले अग्रिम अनुमान में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद जताई है, जो आरबीआई के 6.6 के अनुमान से कम है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी की वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही थी।

निर्मला सीतारमण ने सिंगापुर के राष्ट्रपति से की मुलाकात, कई मुद्दों पर बातचीत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से नई दिल्ली में सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम ने मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं में अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। इस अवसर पर सिंगापुर के परिवहन और वित्त मंत्री ची. होंग टाट भी मौजूद रहे। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम ने मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा की, जिसमें फिनटेक, डिजिटल प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया। दोनों पक्षों ने आने वाले दशकों में व्यापार और निवेश संबंधों के विस्तार में विश्वास व्यक्त किया।

इस मुलाकात के बाद निर्मला सीतारमण ने कहा सिंगापुर गणराज्य

के महामहिम राष्ट्रपति राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम से मिलकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत, सिंगापुर के साथ अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को महत्व देता है। राष्ट्रपति की ये यात्रा हमारे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगी, जो इसकी 60वीं वर्षगांठ का प्रतीक है। राष्ट्रपति के साथ वित्त मंत्री और परिवहन मंत्री ची. होंग टाट भी मौजूद रहे।

चार्ली डीन डब्ल्यूपीएल 2025 में आरसीबी टीम के लिए खेलेंगी

नई दिल्ली। जनवरी (वार्ता) रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आगामी वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के लिए चोटिल सोफी मोलिनक्स की जगह इंग्लैंड की ऑलराउंडर चार्ली डीन को टीम में शामिल किया है। ऑस्ट्रेलिया की बाएं हाथ की स्पिनर मोलिनक्स घुटने की चोट से परेशान है। उनके घुटने की सर्जरी होने के कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू एशेज सीरीज से भी बाहर हो गई हैं। डीन को पिछले वर्ष अक्टूबर-नवंबर में डब्ल्यूबीबीएल के दौरान घुटने में चोट लग गयी थी। जिसके कारण मोलिनक्स लगातार परेशानी से जूझ रही थी। वह मेलबर्न रेनेगेड्स की कप्तान होने के बावजूद 11 में से चार मैच नहीं खेली पायी। डीन ने इंग्लैंड के लिए खेले 36 टी-20 में 18.19 की शानदार औसत से 46 विकेट चटकाये हैं। आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मोलिनक्स के न खेल पाने की वजह से उनका डब्ल्यूपीएल में पर्दापण होगा। उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूपीएल आगामी सात फरवरी से शुरु होगा।

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 4.54 लाख करोड़ का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि दिन के कारोबार में लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान चलती रही, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर-नीचे होती रही। राहत की बात यह रही कि बिकवाली का दबाव बनने पर भी सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही कारोबार करते रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान पीएसई, एनर्जी और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, हेल्थ केयर और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी, एफएमसीजी, टेक और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.92 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 428.85 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 424.31 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.54 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,067 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,778 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,188 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 101 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,511 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,891 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 620 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 595.42 अंक उछल कर 77,319.50 के अंक के स्तर पर खुला। कारोबार शुरू होने के बाद तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा।

बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 76,895.51 अंक तक गिर गया। राहत की बात यह रही कि बिकवाली के दबाव के बावजूद बाजार में खरीदारी भी लगातार होती रही, जिसके कारण ये सूचकांक लगातार हरे निशान में बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 318.74 अंक की बढ़त के साथ 77,042.82 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 164.05 अंक की तेजी के साथ 23,377.25 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

युद्धविराम की घोषणा के बाद से इजराइली हमलों में 72 लोग मारे गए: गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय

एजेंसी

तेल अवीव। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद से इजराइली हमलों में कम से कम 72 लोग मारे गए हैं। पिछले संघर्षों में, ताकत दिखाने के तरीके के रूप में संघर्ष विराम लागू होने से पहले दोनों पक्षों ने अंतिम घंटों में सैन्य अभियान तेज कर दिया था। मंत्रालय ने कहा कि हमलों में मरने वालों में केवल गाजा शहर के दो अस्पतालों में लाए गए शव शामिल हैं, और वास्तविक टोल अधिक होने की संभावना है। मंत्रालय के पंजीकरण विभाग के प्रमुख ज़हेर अल-वाहेदी ने कहा, कल एक खूनी दिन था और आज का दिन और भी खूनी है। इससे पहले, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि हमास के साथ आखिरी मिनट का संकट लंबे समय से प्रतीक्षित युद्धविराम की इजराइल की मंजूरी को रोक रहा था, जो गाजा पट्टी में लड़ाई को रोक देगा और दर्जनों बंधकों को रिहा कर देगा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रमुख मध्यस्थ कतर द्वारा समझौते के पूरा होने की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद नेतन्याहू ने संकेत देना शुरू कर दिया कि सौदे में कुछ मुद्दे हैं। बतादें कि बुधवार को युद्धविराम समझौते की घोषणा की गई थी।

नेपाल के रास्ते भारत और चीन को जोड़ने वाले राजमार्ग के लिए सरकार ने 100 करोड़ का बजट आवंटित किया

काठमांडू। उत्तराखंड से जुड़े नेपाली सीमा से लेकर चीन की सीमा तक राजमार्ग बनाने के लिए नेपाल सरकार ने 100 करोड़ रुपए का आवंटन किया है। नेपाल के रास्ते भारत और चीन को जोड़ने वाला यह सबसे कम दूरी का राजमार्ग है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के निर्देश पर यह बजट आवंटित किया गया है। उत्तराखंड से जुड़े नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रदेश के धनगढ़ी से चीन-नेपाल की सीमा तप्लाकोट तक के सड़क निर्माण के लिए यह बजट आवंटित किया गया है।

वित्त मंत्री विष्णु पौडेल ने बताया कि वहां के स्थानीयवासियों की मांग थी कि सरकार इस राजमार्ग को जल्द से जल्द बनाए। सड़क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक धनगढ़ी से तप्लाकोट तक की दूरी 112 किमी है। यह भारत और चीन की सीमा को जोड़ने वाला सबसे कम दूरी का राजमार्ग होने के कारण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। खुटिया-दिपायल-चैनपुर-उरैभञ्ज्याङ होते हुए ताक्लाकोट तक के सड़क निर्माण के लिए यह रकम खर्च की जाएगी।

बंगलादेश में एचएमपीवी संक्रमित महिला की मौत

ढाका। बंगलादेश में ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण से मरने वाला पहला मामला सामने आया है। इस वायरस से संक्रमित महिला कई स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं से जूझ रही थी जिसकी मौत हो गई है। मृतका संजीदा अख्तर की स्थानीय समयानुसार बुधवार शाम करीब 6:00 बजे राजधानी ढाका के संक्रामक रोग अस्पताल में मौत हो गई। जहां उसका इलाज चल रहा था। अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार अरिफुल बशर ने घोषणा की कि महिला को मोटापा, किडनी की समस्या और फेफड़ों की परेशानी सहित कई अन्य तरह से परेशानी थी। यह मौत बंगलादेश में इस सीज़न में एचएमपीवी संक्रमण का पहला मामला सामने आने के कुछ दिनों बाद हुई है। जिसमें महिला को इस वायरस से संक्रमित पाया गया, उसकी टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आयी थी। इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी डिजीज कंट्रोल एंड रिसर्च (आईईडीसीआर) में वायरोलॉजी के प्रमुख अहमद नौशेर आलम ने कहा कि महिला का निमोनिया के एक अन्य प्रकार क्लेबसिएला न्यूमोनिया परीक्षण किया गया था, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आयी थी। उन्होंने बताया कि मरीज का विदेश यात्रा का कोई इतिहास नहीं था। आईईडीसीआर की निदेशक तहमीना शिरीन ने पहले कहा था कि बंगलादेश में एचएमपीपी का पहली बार 2017 में पता चला था। तब से लगभग हर साल सर्दियों में इस वायरस की कथित तौर पर पहचान की गई है।

द कैलिफोर्निया में हवाओं ने की दावानल तेज, अग्निशमनकर्मी कर रहे मशक्कत

लॉस एंजिलिस। दक्षिणी कैलिफोर्निया में सांता एना हवाओं के चलने के कारण जंगल में लगी आग ने और विकराल रूप ले लिया है जबकि अग्निशामक दल भी जंगल की आग बुझाने के लिये प्रयासरत रहे। यूएस नेशनल वेदर सर्विस ने कहा कि बुधवार को तटीय दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया में गंभीर आग की स्थिति जारी रहेगी, लेकिन सप्ताह के अंत तक सुधार की उम्मीद है, और बुधवार स्थानीय समयानुसार दोपहर तीन बजे तक एक भी चेतावनी जारी की। लॉस एंजिल्स क्षेत्र में भीषण जंगल की आग में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 12,300 से अधिक इमारतें नष्ट हो गईं। स्थानीय अधिकारियों ने पुष्टि की कि जंगल में लगी आग के कारण कम से कम 26 लोग अभी भी लापता हैं। उनमें से 20 ईटन फायर क्षेत्र से और छह पलिसैड्स फायर क्षेत्र से हैं। कैलिफोर्निया के वानिकी और अग्नि सुरक्षा विभाग (कैल फायर) के अनुसार, ईटन और पैलिसेड्स में लगी भीषण जंगल में सुबह तक क्रमशः केवल 45 प्रतिशत और 19 प्रतिशत ही काबू पाया गया था।

पश्चिमी अफ्रीका से नाव से स्पेन जा रहे पाकिस्तान के 40 से अधिक लोग डूबे

एजेंसी

इस्लामाबाद। पश्चिमी अफ्रीका से नाव के जरिए स्पेन पहुंचने का प्रयास कर रहे पाकिस्तान के कम से कम 40 से अधिक नागरिकों के समुद्र में डूबने की आशंका है। पाकिस्तान के समाचार पत्र इंटरनेशनल द न्यूज और जियो न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, प्रवासी अधिकार समूह वॉकिंग बॉर्डर्स ने यह जानकारी दी। मैड्रिड और नवारा स्थित अधिकार समूह वॉकिंग बॉर्डर्स ने कहा कि मोरक्को के अधिकारियों ने बुधवार को एक नाव से 36 लोगों को बचाया। यह नाव दो जनवरी को मॉरिटानिया से रवाना हुई थी। इसमें पाकिस्तान के 66 लोगों सहित 86 प्रवासी थे। समूह का कहना है कि उसने छह दिन पहले लापता नाव के बारे में संबंधित देशों के अधिकारियों को सूचित कर दिया था।वॉकिंग बॉर्डर्स की सीईओ हेलेना मालेनो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि डूबने वालों में से 44 लोग पाकिस्तान से थे। उन्होंने

क्रॉसिंग पर पीड़ा के 13 दिन बिताए और कोई भी उन्हें बचाने के लिए नहीं आया। वॉकिंग बॉर्डर्स के अनुसार, 2024 में स्पेन पहुंचने की कोशिश में रिकॉर्ड 10,457 प्रवासियों मौत हो गई। इनमें से अधिकांश मॉरिटानिया और सेनेगल जैसे पश्चिम अफ्रीकी देशों से कैनरी द्वीपों तक अटलांटिक मार्ग को पार करने का प्रयास करते समय मारे गए।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि 80 यात्रियों को ले जा रही नाव दखला के मोरक्को बंदरगाह के पास पलट गई। पाकिस्तान ने नागरिकों की सुविधा और आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए रबात दूतावास से एक टीम दखला भेजी है। मंत्रालय में संकट प्रबंधन इकाई को सक्रिय कर दिया गया है। उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने संबंधित सरकारी एजेंसियों को प्रभावित पाकिस्तानियों को हर संभव सुविधा प्रदान करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नाव दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। शहबाज ने मानव तस्करी जैसे घृणित कृत्य में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। राष्ट्रपति ने भी मानव तस्करी रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने का आह्वान किया है। डूबे हुए पाकिस्तान के लोगों के रिश्तेदारों ने कहा कि नाव दो जनवरी को स्पेन के लिए रवाना हुई। मानव तस्करों ने नाव को समुद्र में खड़ा कर दिया और उनसे और पैसे की मांग की। समुद्र में खोए प्रवासियों के लिए आपातकालीन फोन लाइन प्रदाता गैर सरकारी संगठन अलार्म फोन ने कहा कि उसने 12 जनवरी को स्पेन की समुद्री बचाव सेवा को सतर्क कर दिया था। स्पेन की समुद्री बचाव सेवा ने कहा कि उसके पास नाव के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

द कोरिया की अदालत राष्ट्रपति यून की गिरफ्तारी की करेगी समीक्षा

एजेंसी

सोल। दक्षिण कोरिया में अदालत राष्ट्रपति यून सुक-योल की गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी कानूनी टीम की ओर से दाखिल की गई याचिका की समीक्षा प्रक्रिया शुरू करेगी। यह याचिका राष्ट्रपति की गिरफ्तारी के एक दिन बाद बुधवार को दायर की गई थी।

याचिका में एक संदिग्ध, अनुचित गिरफ्तारी का दावा करते हुए अदालत से उनकी रिहाई का आदेश देने का अनुरोध करता है। स्थानीय टीवी चैनल वाईटीएन के अनुसार सोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की ओर से स्थानीय समयानुसार शाम पांच बजे प्रक्रिया शुरू करने की उम्मीद है।

श्री यून की टीम नेआवेदन दायर किया, जिसमें तर्क दिया गया कि उच्च रैंकिंग अधिकारियों के लिए भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) के पास विद्रोह के आरोपों की जांच करने का अधिकार नहीं है और गिरफ्तारी वारंट सोल पश्चिमी जिला न्यायालय के बजाय सोल सेंट्रल जिला न्यायालय की ओर जारी किया जाना चाहिए था। प्रासंगिक कानूनों के अनुसार, अदालत को आवेदन प्राप्त होने के 48 घंटों के भीतर मामले की प्रक्रिया करनी होती है और प्रक्रिया समाप्त होने के 24 घंटे के भीतर यह तय करना होता है कि संदिग्ध को रिहा किया जाए या नहीं। दक्षिण कोरियाई जांचकर्ताओं ने घोषणा की कि श्री यून के लिए गिरफ्तारी वारंट निष्पादित किया गया था और महाभियोग राष्ट्रपति को बाद में पूछताछ के लिए सीआईओ को स्थानांतरित कर दिया गया था। गौरतलब है कि राष्ट्रपति यून सुक-योल को विद्रोह और मार्शल लॉ लागू करने जैसे गंभीर आरोपों के तहत 15 जनवरी 2025 को उनके सोल स्थित आवास से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने तीन दिसंबर 2024 को अल्पकालिक 'मार्शल लॉ' घोषित किया था।

बांग्लादेश में शेख हसीना और करीबियों पर कसा शिकंजा, 11 जांच टीमों का गठन

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना पर शिकंजा कस दिया है। देश छोड़ चुकीं हसीना और उनके करीबियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए इसकी जांच के लिए टीमों का गठन किया गया है।

बांग्लादेश के अखबार प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के परिवार के सदस्यों के अलावा एस. आलम, बेक्सिमको, बशुंधरा और समिट ग्रुप सहित 10 अन्य समूहों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए 11 जांच टीमों का गठन किया है। यह टीमें भ्रष्टाचार निरोधक आयोग की देखरेख में काम करेंगी। बांग्लादेश की वित्तीय खुफिया इकाई जांच टीमों को सहयोग करेंगी। अटॉर्नी जनरल कार्यालय इन टीमों को कानूनी सहायता प्रदान करेगा।

आयोग के जनसंपर्क अधिकारी मोहम्मद अख्तरुल इस्लाम के मुताबिक पुलिस आपराधिक जांच विभाग और राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड के अधिकारी भी इन जांच टीमों का हिस्सा होंगे।

आयोग ने संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, सिंगापुर, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात सहित विभिन्न देशों को पत्र भेजकर इन सबकी संपत्ति के बारे में जानकारी मांगी है। आयोग बशुंधरा समूह के अध्यक्ष अहमद अकबर शोभन और उनके परिवार के आठ सदस्यों की विदेश में अचल और चल संपत्तियों को जब्त करने और फ्रीज करने का आदेश दे चुका है।

आयोग ने एक अदालत को इस समूह के आठ सदस्यों के लगभग 143 करोड़ रुपये के निवेश, संपत्ति खरीदने और बैंक लेनदेन के बारे में जानकारी दी है। इसके अलावा एस. आलम ग्रुप के चेयरमैन सैफुल आलम और उनके परिवार के 68 बैंक खाते फ्रीज करने का आदेश दिया गया है। इस बीच अदालत ने पूर्व भूमि मंत्री सैफुज्जमां चौधरी और उनके परिवार और अरामित समूह के देश-विदेश में 580 घरों, अपार्टमेंट, जमीन और अन्य अचल संपत्तियों को जब्त करने का आदेश दिया है। जांच अधिकारियों के मुताबिक, इन संपत्तियों में से 343 यूके , 228 यूएई और 9 अमेरिका में हैं।

सत्तारूढ़ गठबंधन के मंत्रियों ने प्रधानमंत्री की कार्यशैली पर जताया असंतोष

एजेंसी

काठमांडू। सत्तारूढ़ घटक दल नेपाली कांग्रेस की तरफ से सरकार में शामिल मंत्रियों ने ही प्रधानमंत्री की कार्यशैली पर असंतोष जताया है।पार्टी बैठक के दौरान इन मंत्रियों ने सरकार में काम करने में हो रही कठिनाइयों को लेकर खुल कर नाराजगी व्यक्त की है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के प्रति लगातार बढ़ रहे असंतोष के बीच नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा ने सरकार में शामिल 10 कैबिनेट और दो राज्य मंत्रियों की बैठक बुलाई थी। बैठक के दौरान पार्टी की तरफ से सरकार में शामिल मंत्रियों ने एक-एक कर कामकाज में हो रही कठिनाइयों के बारे में पार्टी अध्यक्ष को अवगत कराया। बैठक के बाद खेलकूद मंत्री तेजुलाल चौधरी ने बताया कि कांग्रेस के मंत्रियों को नीतिगत निर्णय लेने में काफी कठिनाई हो रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की तरफ से जिस तरह से उनकी अपनी पार्टी के

मंत्रियों को सहयोग किया जाता है उस तरह कांग्रेसी मंत्रियों के साथ व्यवहार ठीक नहीं है। इसी तरह से कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी ने बताया कि कांग्रेसी मंत्रियों के मंत्रालय के बजट में भी कटौती की जा रही है। अधिकारी ने कहा कि देश में खाद की किल्लत दूर करने के लिए 600 करोड़ रुपये की आवश्यकता थी पर प्रधानमंत्री के निर्देशन पर बजट में कटौती कर सिर्फ 270 करोड़ रुपये ही आवंटित किए गए। सरकार की तरफ से हाल ही में लाए गए अध्यादेश को लेकर भी कांग्रेसी मंत्रियों ने अपनी असहमति जाहिर की। इन मंत्रियों का कहना था कि कैबिनेट की बैठक में इन अध्यादेशों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्हें मीडिया से मालूम चला कि कौन-कौन सा अध्यादेश जारी किया गया है।

गाजा युद्धविराम समझौते पर बेन-गविर ने सरकार छोड़ने की धमकी दी

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल के कट्टर दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गविर ने घोषणा की कि अगर नव घोषित गाजा युद्धविराम समझौते को मंजूरी मिल जाती है तो उनकी पार्टी सरकार छोड़ देगी।

श्री बेन-गविर ने अपनी पार्टी के छह मंत्रियों और सांसदों के साथ टेलीविजन पर प्रसारित एक बयान में क़तर द्वारा बुधवार को घोषित समझौते को हमास के सामने 'आत्मसमर्पण' बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी गाजा में लड़ाई समाप्त करने और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई का विरोध करती है और हमास के 'पराजित' होने तक सैन्य कार्रवाई जारी रखने का आह्वान करती है।

इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गठबंधन सरकार में एक प्रमुख साझेदार श्री बेन-गविर की धमकी ने श्री नेतन्याहू पर समझौते को अस्वीकार करने का दबाव बढ़ा दिया है। एक अन्य दक्षिणपंथी नेता बेजेलेल स्मोट्रिच ने पहले दिन में गारंटी की मांग की थी। समझौते का पहला चरण लागू होने के बाद इजराइल गाजा पर अपना हमला फिर से शुरू करेगा।

उल्लेखनीय है कि कतर के प्रानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी ने बुधवार को कहा कि कतर, मिस्र और अमेरिका की गहन मध्यस्थता के बाद इजरायल और हमास बंधकों के लिए गाजा युद्धविराम समझौते पर सहमत हुए हैं।

समझौते में प्रारंभिक 42-दिवसीय चरण शामिल है जिसके दौरान गाजा में 15 महीने से अधिक की लड़ाई रुक जाएगी और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले में गाजा में रखे गए 33 बंधकों को रिहा किया जाएगा।

महाकुम्भ में सन्यास ग्रहण कर इंग्लैण्ड के जैकब बन चुके हैं जय किशन सरस्वती

एजेंसी

लंदन/महाकुम्भनगर। प्रयागराज के महाकुम्भ में संगम तट पर सनातन संस्कृति की अनुपम छठा बिखरी हुई है। एक ओर साधु, संन्यासी, संत,कथावाचक ज्ञान और वैराग्य की गंगा बहा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर पीढ़ियों से सनातन परंपरा के वाहक करोंड़ों श्रद्धालु मोक्ष की कामना से संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। देश के कोने-कोने से आये साधु,संत और श्रद्धालु भारती की सांस्कृतिक विविधता के साथ-साथ सनातन आस्था की आध्यात्मिक ऊर्जा से विश्व भर का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट कर रहे हैं, तो सानतन संस्कृति की इसी आध्यात्मिक शक्ति से अभिभूत हुए इंग्लैण्ड के रहने वाले जैकब, संन्यास ग्रहण कर अब जय किशन सरस्वती बन चुके हैं। महाकुम्भ में भारत और सनातन संस्कृति से प्रभावित होकर

फ्रांस, इंग्लैण्ड, बेल्जियम, कनाडा, इक्वाडोर और ब्रजील जाने किस-किस देश से पर्यटक प्रयागराज में संगम तट की ओर खिंचे चले आ रहे हैं। उन्हीं में से एक इंग्लैण्ड के मैनचेस्टर के रहने वाले जैकब, सनातन संस्कृति और उसकी आध्यात्मिक शक्ति से इतने प्रभावित हुए कि वे पूरी तरह से उसके रंग में रंग कर संन्यास तक ग्रहण कर चुके हैं। जैकब ने बताया कि वो लगभग 10 वर्षों से भारत में ही रह रहे हैं। उन्होंने भारत में काशी, हरिद्वार,ऋषिकेष,मथुरा, वृंदावन, उज्जैन समेत पुरी जैसी धार्मिक नगरियों की यात्रा की है। प्रयागराज और यहां के महाकुम्भ में वो पहली बार आये हैं। जैकब ने बताया कि उन्होंने हरिद्वार के महाकुम्भ में जूना अखाड़े के महामण्डलेश्वर उमाकान्तानंद से दीक्षा लेकर संन्यास ग्रहण किया था। तब से वो जय किशन सरस्वती बन गये हैं। जय किशन सरस्वती ने बातचीत में बताया कि उन्होंने इंग्लैण्ड के मैनचेस्टर से बैचलर ऑफ आर्ट्स की पढ़ाई की है। उसके बाद वो इंग्लैण्ड की क्रियेटिव एजेंसी में काम करते थे। शुरू से ही वो भारत की संस्कृति और यहां की आध्यात्मिकता से प्रभावित थे। उन्होंने भागवत गीता का अध्ययन किया और हिंदी तथा संस्कृत भाषा भी सीखी। 2013 में वो काशी देखने भारत आये थे तब से कुछ साल भारत में ही जगह-जगह भ्रमण करते रहे। एक समय उनका सनातन संस्कृति के प्रति झुकाव इतना बढ़ गया कि उन्होंने स्वामी उमाकान्तानंद से दीक्षा ग्रहण कर संन्यास अपना लिया। तब से वो स्वामी उमाकान्तानंद के साथ ही प्रवास और भ्रमण करते हैं। प्रयागराज के महाकुम्भ में पहली बार उन्होंने जूना अखाड़े के साथ संगम में अमृत स्नान किया।

श्रीलंका में चीन करेगा बड़ा निवेश, रिफाइनरी निर्माण के लिए देगा 3.7 बिलियन डॉलर

एजेंसी

बीजिंग। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को चीन की चार दिवसीय राजकीय यात्रा में बड़ी कामयाबी मिली है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद श्रीलंका और चीन ने द्वपक्षीय समझातों पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के अनुसार श्रीलंका चीन की 3.7 बिलियन डॉलर की आर्थिक सहायता से हंबनटोटा क्षेत्र में 200,000 बैरल की क्षमता वाली तेल रिफाइनरी का निर्माण करेगा। दिसानायके की यात्रा का आज तीसरा दिन है। श्रीलंका के समाचार पत्र डेली मिरर और डेली न्यूज की खबर के अनुसार, चीन और श्रीलंका के ऊर्जा मंत्रालय व सिनोपेक ने इस आशय के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस रिफाइनरी के उत्पादन का बड़ा हिस्सा निर्यात किया जाएगा। इससे श्रीलंका की विदेशी मुद्रा आय में

वृद्धि होगी। साथ ही इसके निर्माण से हंबनटोटा क्षेत्र में कम आय वाले समुदायों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। श्रीलंका के इतिहास में यह अब तक का सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश होगा। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को अपने श्रीलंकाई समकक्ष से मुलाकात के बाद कहा कि चीन श्रीलंका की आर्थिक मोर्चे पर मदद करेगा। दोनों देशों को संयुक्त रूप से उच्च गुणवत्ता वाले बेल्ट और रोड सहयोग के साथ-साथ आधुनिक कृषि, डिजिटल अर्थव्यवस्था में सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों को रणनीतिक दृष्टिकोण से द्विपक्षीय संबंधों पर गहरी पकड़ रखनी चाहिए और संयुक्त रूप से साझा भविष्य वाले चीन-श्रीलंका समुदाय का निर्माण करना चाहिए। शी ने कहा चीन अपनी पड़ोसी कूटनीति में श्रीलंका को प्राथमिकता के रूप में लेता है। चीन श्रीलंका की स्वतंत्रता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है। श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके ने कहा कि चीन हमेशा से श्रीलंका का विश्वसनीय मित्र और भागीदार है। दिसानायके ने कहा कि श्रीलंका बेल्ट एंड रोड सहयोग के माध्यम से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बाइडेन ने कहा–अलविदा, मेरी बात याद रखना

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने विदाई भाषण में देशवासियों को कुलीनतंत्र के विस्तार से सावधान रहने का आह्वान किया। उन्होंने अलविदा करते हुए इस मौके पर अपने पांच दशक के राजनीतिक जीवन की उपलब्धियों को भी गिनाया। राष्ट्रपति बाइडेन ने ओवल कार्यालय से देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका में अति धनवानों का एक कुलीनतंत्र उभर रहा है। यह कब अनियंत्रित हो जाएं कुछ पता नहीं। यह सत्ता के भूखे लोग हैं। वह इसके लिए खतरनाक स्थिति तक जा सकते हैं। उन्होंने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप से लोकतांत्रिक आदर्शों और संस्थानों के संरक्षण की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि आज अमेरिका को सबसे अधिक खतरा धन, शक्ति और प्रभाव के त्रिकोणीय कुलीनतंत्र से है। यह सचमुच पूरे लोकतंत्र, बुनियादी अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए खतरा है। बाइडेन ने कुलीनतंत्र की चर्चा में ट्रंप का नाम नहीं लिया। मगर उनकी टिप्पणी सीधे उनके भावी प्रशासन और एलन मस्क जैसे अरबपति पर थी। बाइडेन ने कहा कि अमेरिकियों को सत्ता के दुरुपयोग को बढ़ावा देने वाली गलत सूचना और दुष्प्रचार के ढेर के नीचे दफनाया जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा उन्होंने अपने कार्यकाल में लोकतंत्र को सर्वोपरि रखा। जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में काम किया। उन्होंने कहा, इन सबके केंद्र में 50 साल रहने के बाद मैं जानता हूं कि अमेरिका के विचार में विश्वास करने का मतलब उन संस्थानों का सम्मान करना है जो एक स्वतंत्र समाज को संचालित करते हैं। बाइडेन ने सर्वोच्च न्यायालय के लिए कार्यकाल सीमा और नैतिकता में सुधार और कांग्रेस के सदस्यों को स्टॉक ट्रेडिंग से प्रतिबंधित करने का आह्वान किया। बुधवार रात अपने संबोधन से कुछ घंटे पहले बाइडेन ने यह घोषणा करके जश्न मनाया कि यह उनकी विदेश नीति की एक बड़ी उपलब्धि होगी कि इजराइल और हमास ने गाजा में संघर्ष विराम के उनके प्रस्तावित समझौते को स्वीकार कर लिया है। इस मौके पर बाइडेन ने स्वीकार किया कि उनकी कई नीतियां अमेरिकियों के साथ तालमेल बिठाने में विफल रही हैं। मगर हमने मिलकर जो कुछ किया है उसका पूरा प्रभाव महसूस करने में समय लगेगा।

दक्षिण अफ्रीका में अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए सरकार की हुई तीखी आलोचना

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की सरकार को अवैध खनन पर शिकंजा कसने पर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। अवैध खनन पर शिकंजा कसने के कारण सैंकड़ों भूमिगत खनिकों को भोजन और पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है। इस सप्ताह की शुरूआत में सोमवार से शुरू हुए बचाव अभियान के दौरान 78 शवों को अवैध खदान से निकाला जा चुका है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अदालत की ओर से उनके बचाव का आदेश दिए जाने के बाद बचावकर्मी बुधवार को जीवित बचे लोगों की तलाश में तीसरे दिन भी बचाव कार्य में जुटी हुई है। यहां के एक पुलिस प्रवक्ता ने कल दोपहर कहा कि लगभग 166 लोगों को जीवित बचाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के फ़ेडरेशन ऑफ़ ट्रेड यूनियन (एसएएफटीयू) ने जोहान्सबर्ग से लगभग 97 मील (156 किलोमीटर) दक्षिण-पश्चिम में स्थित स्टिलफ़ोन्टेन खदान में हुई मौतों को नरसंहार बताया। स्थिति से निपटने के लिए सरकार की आलोचना डेमोक्रेटिक गठबंधन (डीए) ने भी की, जिसने पिछले साल सत्तारूढ़ एएनसी पार्टी के साथ गठबंधन बनाया था।

जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजिन ने लॉन्च किया नया रॉकेट न्यू ग्लेन

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेजन के मालिक जेफ बेजोस की अंतरिक्ष कंपनी 'ब्लू ओरिजिन' ने फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से अपने नए रॉकेट न्यू ग्लेन को लॉन्च किया। न्यू ग्लेन ने सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश कर उपग्रह स्थापित किया। इस सफलता पर 'ब्लू ओरिजिन' के कर्मचारियों ने तालियां बजाईं। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, 'ब्लू ओरिजिन' की इस उपलब्धि के समय संयुक्त राज्य अमेरिका में अधिकांश लोग सो रहे थे। न्यू ग्लेन की सफल उड़ान निजी अंतरिक्ष कंपनियों और सरकारी एजेंसियों के लिए एक नया विकल्प बनाती है। यह संभावित रूप से एलन मस्क के स्पेसएक्स को चुनौती देगी। हालांकि रॉकेट का बूस्टर अटलांटिक महासागर में कंपनी के तैरते लॉन्चिंग पैड पर नहीं उतर सका। 'ब्लू ओरिजिन' ने इस पर कहा कि हमारा पहला उद्देश्य परीक्षण उपग्रह को कक्षा में पहुंचाना था।अमेजन के संस्थापक

जेफ बेजोस ने बड़ी धनराशि और वर्षों की मेहनत के बाद न्यू ग्लेन रॉकेट को तैयार किया है। इस रॉकेट का नाम पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले प्रथम अमेरिकी न्यू ग्लेन के नाम पर रखा गया है। दूसरे चरण में इसे बाहर की कक्षा में रहने के लिए सुरक्षित स्थिति में रखा गया। ब्लू ओरिजिन के लॉन्च कमेंटेटर एरियन कॉर्नेल ने कहा कि शानदार दिन। पहले इसका प्रक्षेपण सोमवार को किया जाना था। कुछ तकनीकी समस्या के के कारण आखिरी समय में इसे टालना पड़ गया था। इस रॉकेट का निर्माण अंतरिक्ष यान और अंतरिक्ष यात्रियों को कक्षा और चंद्रमा तक ले जाने के लिए किया गया है। जेफ बेजोस ने 25 साल पहले ब्लू ओरिजिन कंपनी की स्थापना की थी। यह कंपनी 2021 से अंतरिक्ष के किनारे तक यात्रियों को भेज रही है। जेफ बेजोस का नया रॉकेट न्यू ग्लेन ब्लू ओरिजिन के न्यू शेपर्ड रॉकेट की तुलना में पांच गुना लंबा है। ब्लू ओरिजिन ने न्यू ग्लेन के लॉन्च साइट में एक बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। यह लॉन्चिंग पैड कंपनी के नियंत्रण केंद्रों और रॉकेट फैक्टरी से 9 मील (14 किलोमीटर) दूर नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर के गेट के बाहर है। लॉन्चिंग कार्यक्रम में बेजोस ने कहा कि वह ब्लू ओरिजिन को एलन मस्क के स्पेसएक्स के साथ प्रतिस्पर्धा के रूप में नहीं देखते हैं। ब्लू ओरिजिन ने इस वर्ष छह से आठ न्यू ग्लेन उड़ानें शुरू करने की योजना बनाई है। कंपनी ने कहा कि अगली उड़ान इसी वसंत में शुरू होगी। बेजोस ने कहा कि यह अंतरिक्ष युग के नए चरण की शुरुआत है।

पौधों में कटाई - छंटाई, सर्दियों में उचित प्रबंधन अपनाएं

अगर फल देने वाले पौधों में कटाई- छंटाई या कृन्तन का कार्य ना किया जाए, तो वह जंगली पौधों की तरह बढ़ने लगते हैं. उन पर कोई भी फल पैदा नहीं होता है. हालांकि, सभी फल देने वाले पौधों में कटाई-छंटाई की क्रिया आवश्यक नहीं होती है.

जैसे कि छोटे फल वाले पौधे जैसे- केला, अनानास और पपीता आदि को अपनी प्राकृतिक अवस्था में बढ़ने दिया जाता है. मगर बहुत से पर्णपाती फल वृक्ष जैसे - सेब, नाशपाती, आडू और अंगूर आदि में नियमित रूप से कटाई-छंटाई की आवश्यकता होती है.

पौधों में कटाई - छंटाई करने के उद्देश्य

• पौधों में कटाई - छंटाई कर सूर्य के प्रकाश को पौधों की जड़ों तक पहुंचने के लिए स्थान बनाया जाता है.
• वृक्षों को अधिक मजबूत बनाना
• पौधों को सुन्दर बनाना
• नए फल उत्पन्न करने वाली शाखाओं की वृद्धि को उत्तेजित करना
• फलों की तुड़ाई में सुगमता प्रदान करना
• घनी कलियों या छोटे फलों का विरलीकरण करके फलों का आकार बढ़ाना

पौधों में कटाई-छंटाई करने के नियम

• सबसे पहले पौधे से मरी या सूखी हुई, रोगग्रसित एवं कमजोर शाखाओं को काटकर अलग कर दें.
• पौधों की आर-पार जाने वाली और एक-दूसरे पर चढ़ी हुई शाखाओं को काट दें.

अमरूद के पौधे में कैनोपी मैनेजमेंट करने का सबसे आसान तरीका

• अगर शाखाएं जमीन के बहुत सम्पर्क में हैं, तो उन्हें काट दें.
• शेष बची हुई शाखाओं को या उनके कुछ हिस्सों को इस तरह काटना चाहिए कि कटान साफ एवं सीधे हों.
• अगर पौधों में कार्बोहाइड्रेट की कमी से फलन कम होता है, तो जड़ों का कृन्तन कुछ मात्रा में कर देना चाहिए.

पौधों में कटाई-छंटाई करने की प्रमुख विधियां

1. पिन्चिंग
2. वलयन

पिन्चिंग- इस विधि के तहत तने या शाखाओं के ऊपरी सिरे 2 से 3 पनियों के साथ तोड़ दिए जाते हैं. इसको अधिकतर एक वर्षीय पौधों जैसे- डहेलिया, गुलदाउदी आदि में अपनाते है.

वलयन- जब किसी तने या डाली से लगभग 1 से 1.5 सेमी लम्बाई में छाल वलय के रूप में काटकर निकाल दी जाती है, तो इस विधि को वलयन कहा जाता है.

कटाई-छंटाई करने के लिए प्रमुख औजार

• चाकू
• कैंची
• सैकेटियर्स
• आरी
• कृन्तन का गंडासा
• ट्री पूनर
• लूपर्स

क्यों जरूरी है अनार के वृक्ष की कटाई-छंटाई

उदाहरण के लिए बताते हैं कि अनार के वृक्ष में कटाई-छंटाई की आवश्यकता क्यों होती है.

• अनार वृक्ष में छंटाई की जरूरत नहीं होती है, बल्कि सिर्फ एक के उपर एक शाखाओं, सूखी और रोगग्रस्त टहनियों को हटाने का कार्य जरूरी होता है. इसके अलावा वृक्ष को उचित आकार देने का कार्य करना होता है.
• अनार के वृक्ष में 3 से 4 साल तक फल लगने की क्षमता होती है. इसमें आयु बढ़ने के साथ ही गिरावट आती है. नई वृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए पुराने दलपुटों की छंटाई और मामूली रूप से हल्का विरलीकरण करने की जरूरत होती है.
• छंटाई से फल की गुणवत्ता पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है.
• छंटाई से फलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, जिसमें विपणन योग्य तथा गैर-विपणन योग्य फल शामिल है. उच्च सघन छंटाई से फल के आकार और उच्च ग्रेड के फल की पैदावार में वृद्धि होती है.
• छंटाई कार्य से शाखाओं और खूंटों के मुड़ने में कमी आती है.

क्या कहते है वैज्ञानिक

बहुत अच्छी फसल लेने के लिए उनकी कटाई-छंटाई करना जरूरी होता है. इसके साथ ही उन शाखाओं को हटाना महत्वपूर्ण है, जो हर वैकल्पिक वर्ष में केवल फल देती हैं या बिल्कुल भी फल नहीं देती हैं.

इसके अलावा सूर्य के प्रकाश का अधिकतम उपयोग करने और कीट के विकास को रोकने के लिए अतिरिक्त पत्तियों को हटाना भी महत्वपूर्ण है. किसान भाई यदि पौधों की कटाई-छंटाई का विशेष ध्यान रखेंगे तो बागवानी फसलों की पैदावार अच्छी होगी.

सर्दियों में उचित प्रबंधन अपनाएं, बागों से खूब लाभ कमाएं

शीत ऋतु की ठंड, शीत लहर, मेघाच्छन्न दिन-रात भले ही सामान्य जीवन की गतिविधि को प्रभावित करते हैं, परंतु, बागवान भाइयों के लिए यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस समय बागों में किए गए कृषि कार्यों का पौधों की उत्तरजीविता एवं फलन पर दूरगामी प्रभाव होता है। अब की मेहनत कल काम आएगी, जान लें कि कैसे। फलों के अच्छे और उच्च गुणवत्ता के उत्पादन के लिए बगिया की देखभाल अति आवश्यक है। फलदार पौधों की बहुवर्षीय प्रकृति के कारण इनकी देखभाल तथा रखरखाव धान्य फसलों से भिन्न होता है। इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण फलों में जनवरी व फरवरी में की जाने वाली प्रमुख कृषि क्रियाओं का विवरण दिया गया है।

आम का पेड़ चाहे विशेष देखरेख

इस मौसम में पौधों, विशेषकर नवस्थापित बागान को पाले से बचाना अति आवश्यक है। जनवरी में नर्सरी में लगे पौधों को पाले से सुरक्षा के लिए छप्पर से ढकना चाहिए। वहीं दूसरी ओर छोटे पौधों को भी पुआल से ढक दें। पाले से बचाव के लिए बाग में समय-समय पर हल्की सिंचाई करें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें। आम के नवरोपित बागों की सिंचाई करें।

इस समय लगने वाले बौरों का भी ध्यान रखना आवश्यक है। इन्हीं पर फलोत्पादन निर्भर करेगा। जनवरी के प्रथम सप्ताह में आने वाले बौर में फल नहीं लगते और ये अक्सर गुच्छे का रूप धारण कर लेते हैं। अत: ऐसे बौर को निकालकर नष्ट कर दें। आम में उर्वरक देने का यह सही समय है। नाइट्रोजन 500 ग्राम, फॉस्फोरस 500 ग्राम तथा पोटाश 700 ग्राम प्रति पौधा प्रयोग करें। इन्हें मिट्टी में मिलाकर हल्की सिंचाई कर दें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

फरवरी में थालों की गुड़ाई करें। फुदका या तेला (मैंगो हॉपर) के नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड (0.3 प्रतिशत) तथा चूर्णिल आसिता रोग से बचाव के लिए केराथेन (20 ग्राम प्रति 100 लीटर पानी में) का छिड़काव फरवरी के अंतिम सप्ताह में अवश्य करें। फरवरी में छोटे पौधों के ऊपर से छप्पर हटा दें। मीलीबग (गुजिया) के बचाव के लिए वृक्षों के तने पर पॉलीथीन की 3 फुट चौड़ी पट्टी बांध दें एवं 250 ग्राम प्रति वृक्ष की दर से क्लोरपॉयरीफॉस धूल (1.5 प्रतिशत) को पेड़ के चारों ओर की मिट्टी में मिश्रित करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, भूमि की सतह पर परभक्षी ब्यूवेरिया बेसियाना (2 ग्राम प्रति लीटर, 1म107 बीजाणु प्रति मि.ली.) अथवा 5 प्रतिशत नीम बीज के गिरी सतत का प्रयोग प्रौढ़ कीटों को मारने के लिए करें। ध्यान रखने योग्य बात है कि इन्हीं दिनों पौधों पर फूल आते हैं और यदि किसी भी कीटनाशी का प्रयोग फूलों पर किया गया तो संपूर्ण परागण न होने से कम फल लगेंगे।

नीबूवर्गीय फलों का कल्याण, भरेगा धन-धान्य

जनवरी में एक-दो सिंचाई करें तथा पाले से बचाने के हर संभव उपाय करें। मूलवृत्त तैयार करने के लिए बीज की बुआई पॉलीथीन में करें। प्रति पौधा 400 ग्राम नाइट्रजेन, 200 ग्राम फास्फोरस तथा 400 ग्राम पोटाश का प्रयोग 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद के साथ करके हल्की सिंचाई कर दें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें। फरवरी में फूल आने से कुछ दिन पहले सिंचाई न करें अन्यथा सभी फूल झड़ सकते हैं। यदि फूलों या फलों में गिरने की समस्या अधिक हो तो 2-4,डी (10 ग्राम प्रति 100 लीटर पानी में घोलकर) का छिड़काव करें। फल लगते समय पर्याप्त मात्रा में नमी बनाए रखें। नए पौधे तैयार करने हेतु फरवरी मे अंत में कलिकायन (बडिंग) की जा सकती है।

बेहतर अंगूर उत्पादन हेतु, वार्षिक काट-छांट अत्यंत आवश्यक है। उत्तरी भारत में अंगूर की काट-छांट के लिए जनवरी सबसे उपयुक्त माह है। काट-छांट के बाद कटे भाग पर नीले थोथे का घोल लगाना न भूलें, ताकि किसी भी व्याधि के प्रकोप से बचा जा सके। अंगूर में प्रथम वर्ष गोबर/कम्पोस्ट खाद के अलावा 100 ग्राम नाइट्रोजन, 60 काट-छांट किया अंगूर का पौध ग्राम फॉस्फेट व 80 ग्राम पोटाश प्रति पौधा आवश्यक होता है। 5 वर्ष या इससे ऊपर यह मात्रा बढ़कर 500 ग्राम नाइट्रोजन, 300 ग्राम फॉस्फेट व 400 ग्राम पोटाश हो जाती है। फॉस्फोरस की सम्पूर्ण मात्रा तथा नाइट्रोजन व पोटाश की आधी मात्रा काट-छांट के बाद जनवरी में दें। उर्वरक डालने के बाद हल्की सिंचाई करें। कटी हुई शाखाओं से 30-40 सें.मी. आकार की कलमें तैयार कर लें तथा इन्हें 10-15 दिनों तक नम भूमि में दबाने के बाद पौधशाला में लगा दें। बेहतर परिणाम हेतु कलमों को 500-1000 पीपीएम इंडोल ब्यूटाइरिक अम्ल से उपचारित भी किया जा सकता है। उत्तरी भारत में अंगूर के नए बाग लगाने का भी यही उपयुक्त समय है। फरवरी में चूर्णिल आसिता रोग से बचाव के लिए केराथेन (0.1 प्रतिशत) का छिड़काव करें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

पपीते की निगरानी, बढ़ाए आमदनी

पपीते को पाला अत्यधिक हानि पहुंचाता है। अत: जनवरी में पाले से बचाने के लिए पर्याप्त प्रबंध करें। पौधों को पुआल से ढक दें तथा समय पर सिंचाई करते रहें।

पुआल को फरवरी के अंत में हटा दें। 25 ग्राम नाइट्रोजन, 50 ग्राम फॉस्फोरस तथा 100 ग्राम पोटाश का प्रयोग फरवरी में प्रति पौधा की दर से करें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें। पपीते के नवरोपित बागों की सिंचाई करें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

बेर की निगरानी, ना बरतें असावधानी

बेर में चूर्णिल आसिता रोग अत्यधिक हानि पहुंचाता है। इससे बचने के लिए फरवरी में 0.2 प्रतिशत केराथेन का छिड़काव करें। 15 दिनों के अंतराल पर दोबारा यही छिड़काव करें। फरवरी के अंत में किसान बेर के पौधे भी लगा सकते हैं। फरवरी में बेर की अगेती .किस्में पकने लगती हैं। फलों को अच्छी दशा में बनाए रखने के लिए, तुड़ाई सुबह या शाम को ही करनी चाहिए। तुड़ाई के समय फलों को उनके रंग एवं आकार के आधार पर छांटकर श्रेणीकृत किया जाना चाहिए। छंटाई उपरांत फलों को कपड़े की चादरों, जूट के बोरो, नाइलोन की जालीदार थैलियों बांस की टोकरियों, लकड़ी अथवा गत्तों के डिब्बों में रखकर बाजार भेजा जा सकता है। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

शीतोष्ण वर्गीय फलों के बाग लगाने का सही समय जनवरी है। यदि किसी कारणवश दिसंबर में छंटनी न कर पाएं हों तो जनवरी में इन फलवृक्षों की छंटाई अवश्य करें। छंटाई, सधाई प्रणाली को ध्यान में रखकर करनी चाहिए। दो प्रतिशत डोर्मेंट(सर्वो बागान छिड़काव तेल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम छिड़काव तेल) का प्रयोग सैन जोस स्केल और चिचड़ी की रोकथाम के लिए किया जा सकता है। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

फलदार व छोटे पौधों में गोबर की खाद तथा फॉस्फोरसयुक्त उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए। कीटों एवं रोगों की रोकथाम के लिए यदि दिसंबर में कोई छिड़काव न कर पाए हों तो जनवरी के प्रथम सप्ताह में यह कार्य संपूर्ण करें। बागों में जनवरी में उर्वरक देना भी न भूलें।

बनी रहे लीची की मधुरता

जनवरी में पाले से सुरक्षा के प्रबंध अवश्य करें। फरवरी में लीची में फूल आते समय सिंचाई न करें, क्योंकि इससे फूलों के गिरने की आशंका होती है। फूल आने से पहले एवं बाद में पानी की समुचित व्यवस्था करें। चूर्णिल आसिता रोग के प्रकोप से बचने के लिए लीची में संस्तुत रसायनों का प्रयोग करें। कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट की आधी मात्रा अर्थात 1.5 कि.ग्रा. प्रति पौधा फरवरी में प्रयोग करें। लीची के नवरोपित बागों की सिंचाई करें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

स्ट्रॉबेरी में बना रहे माधुर्य

जनवरी में स्ट्रॉबेरी के खेत में निराई-गुड़ाई करें। यदि पलवार न बिछाई गई तो वांछित पलवार जैसे पुआल या पॉलीथीन का प्रयोग करें। फलों में उच्च गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए फरवरी के शुरू में जिब्रेलिक अम्ल (75 पी.पी.एम.) का छिड़काव करें तथा समय पर सिंचाई करते रहें। पत्तियों पर यदि धब्बे दिखाई पड़ें तो डाईथेन-एम-45 (2 ग्राम प्रति लीटर पानी) या बाविस्टीन (1 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें। पहाड़ी क्षेत्रों में किसान स्ट्रॉबेरी को केवल नए पौधे तैयार करने के लिए लगाते हैं। अत: यदि फरवरी के अंत में पौधों पर फूल आ रहे हैं तो उन्हें तुरंत हटा दें। परंतु मैदानी भागों में किसान ऐसा न करें। मैदानी भागों में फरवरी में स्ट्रॉबेरी की फसल तैयार हो जाती है। इसे तोड़कर, 250 ग्राम के पैकेट में पैक कर बाजार भेजने की व्यवस्था करें।

बनी रहे अमरूद की मिठास

जनवरी में अमरूद के बागों में फलों की तुड़ाई का कार्य जारी रखें। तुड़ाई का सबसे अच्छा समय सुबह का होता है। फलों को

उनकी किस्मों के अनुसार अधिकतम आकार तथा परिपक्व हरे रंग (जब फलों के सतह का रंग गाढ़े से हल्के हरे रंग मे परिवर्तित हो रहा हो) पर तोड़ना चाहिए। इस समय फलों से एक सुखद सुगंध भी आती है। सुनिश्चित करें कि अत्यधिक पके फलों को तोड़े गए अन्य फलों के साथ मिश्रित नहीं किया जाए। प्रत्येक फल को अखबार से पैक करने से फलों का रंग और भंडारण क्षमता बेहतर होती है।

फलों को पैक करते समय उन्हें एक-दूसरे से रगड़ने पर होने वाली खरोंच से भी बचाना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि बक्से के आकार के अनुसार ही उनमें रखे जाने वाले फलों की संख्या निर्धारित हो। जनवरी में पत्तियों पर कत्थई रंग आना सूक्ष्म तत्वों की कमी के कारण होता है। अत: कॉपर सल्फेट तथा जिंक सल्फेट का 0.4 प्रतिशत की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। फरवरी में आने वाले फूलों को तोड़ दें, ताकि वर्षा ऋतु में आने वाली कम गुणवत्ता वाली फसल की अपेक्षा जाड़े वाली अच्छी फसल को न लेने के लिए फूलों की तुड़ाई के अतिरिक्त नेप्थेलीन एसिटिक अम्ल (100 पी.पी.एम) का छिड़काव करें एवं सिंचाई कम कर दें। फरवरी के दूसरे पखवाड़े में छंटाई का कार्य शुरू किया जाना चाहिए।

यह मार्च के प्रथम सप्ताह तक जारी रखा जा सकता है। पिछले मौसम में विकसित शाखाओं के 10-15 सें.मी. अग्रभाग को काट देना चाहिए। इसके अतिरिक्त, टूटी हुई, रोगग्रस्त, आपस में उलझी शाखाओं को भी निकाल देना चाहिए। छंटाई के तुरंत बाद कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (2-3 प्रितशत) का छिड़काव अथवा बोर्डो पेस्ट का शाखाओं के कटे भाग पर लेपन करना चाहिए। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें। अमरूद के नवरोपित बागों की सिंचाई करें।

यदि दिसंबर में खाद एवं उर्वरक न दिए गए हों तो जनवरी में यह कार्य पूर्ण करें।

छोटे पौधों की पाले से रक्षा के उपाय करें। फरवरी के अंत में मीलीबग के प्रकोप से बचने के लिए पेड़ों पर आम की भांति पॉलीथीन की पट्टी लगाएं।

उत्तरी भारत में फालसे में जनवरी में गहन काट-छांट करनी चाहिए। काट-छांट के बाद कटे भागों पर बोर्डोलेप लगाएं। पौधों को उपयुक्त मात्रा में गोबर की खाद और उर्वरक दें। शीत ऋतु में की जाने वाली मेहनत, वसंत में खिलने वाली वाली स्वस्थ कोपलों के रूप में जब खिलती है तब बागबान के मन को मिलने वाले सुख का पारावार नहीं होता है। शीत ऋतु में किए जाने वाले कृषि कार्यों में कोई कोताही नहीं बरतनी चाहिए। तो इन हिदायतों पर गौर करें और फलों की सफल खेती करें।

सुगंधित पौधों की खेती - अतिरिक्त आमदनी का प्रमुख जरिया

सुगंधित पौधों की खेती किसानों के लिए अतिरिक्त आमदनी एक प्रमुख जरिया बन सकती है। जेरेनियम भी एक ऐसा ही सुगंधित पौधा है जिसका तेल बेहद कीमती होता है। लखनऊ स्थित सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप) के वैज्ञानिकों ने पॉलीहाउस की सुरक्षात्मक शेड तकनीक विकसित की है, जिससे जेरेनियम उगाने की लागत कम हो गई है।

आमतौर पर जेरेनियम की पौधे से पौध तैयार की जाती है। लेकिन, बारिश के दौरान पौध खराब हो जाती थी, जिसके कारण किसानों को पौध सामग्री काफी महंगी पड़ती थी। सीमैप के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित जेरेनियम की खेती की इस नई तकनीक से करीब 35 रुपये की लागत में तैयार होने वाला पौधा अब सिर्फ दो रुपये में तैयार किया जा सकेगा।

इस परियोजना नेतृत्व कर रहे सीमैप के वैज्ञानिक डॉ. सौदान सिंह ने बताया कि जेरेनियम की पौध को अब तक वातानिकुलित ग्लास हाउस में संरक्षित किया जाता था, लेकिन अब पॉलीहाउस की सुरक्षात्मक शेड तकनीक विकसित हो जाने से किसान के खेत पर ही काफी सस्ती लागत में इसे तैयार कर सकते हैं। एक एकड़ खेती के लिए करीब चार हजार पौधों की जरूरत पड़ती है। इसके लिए 50-60 वर्ग मीटर का पॉलीहाउस बनाना होता है, जिसमें करीब 8-10 हजार रुपये का खर्च आता है। दोमट और बलुई दोमट मिट्टी में जेरेनियम की फसल बढ़िया होती है। इसकी खेती का सबसे उपयुक्त समय नवंबर महीने को माना जाता है।

उत्तर प्रदेश के जिन जिलों में जेरेनियम की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, उनमें लखनऊ, सीतापुर, कानपुर, बाराबंकी, बदायूं, अलीगढ़, गाजियाबाद, रामपुर, बरेली, रायबरेली, फतेहपुर, अंबेडकर नगर, उन्नाव, गोरखपुर, हरदोई, एटा, हाथरस, संभल, मथुरा, बांदा, बुलंदशहर, कन्नौज, जालौन, अमेठी, कासगंज एवं बिजनौर शामिल हैं।

जेरेनियम मूल रूप से दक्षिण अफ्रीका का पौधा है। इसकी खेती मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, हिमाचल प्रदेश और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में होती है। जेरेनियम के पौधे से प्राप्त तेल काफी कीमती होता है। भारत में इसकी औसत कीमत करीब 12 से 18 हजार रुपये प्रति लीटर है। मात्र चार माह की फसल में लगभग 80 हजार रुपये की लागत आती है और इससे करीब 1.50 लाख रुपये तक मुनाफा होता है।

कम पानी और जंगली जानवरों से परेशान परंपरागत खेती करने वाले किसानों के लिए जिरेनियम की खेती राहत देने वाली साबित हो सकती है। जिरेनियम कम पानी में आसानी से हो जाता है और इसे जंगली जानवरों से भी कोई नुकसान नहीं है। इसके साथ ही नए तरीके की खेती 'जिरेनियम' से उन्हें परंपरागत फसलों की अपेक्षा ज्यादा फायदा भी मिल सकता है। खासकर पहाड़ का मौसम इसकी खेती के लिए बेहद अनुकूल है। यह छोटी जोतों में भी हो जाती है। जिरेनियम पौधे की पत्तियों और तने से सुगंधित तेल निकलता है।

साधारण नाम जिरेनियम, रोज जिरेनियम वानस्पतिक नाम पेलार्गोनियम ग्रेवियोलेंस उन्नत किस्म सिम-पवन, बोरबन, सिमैप बयों जी-17

प्रमुख रासायनिक घटक जिरेनियाल व एल-सिट्रोनेलाले।

जलवायु उपोष्ण, ठंड एवं शुष्क जलवायु। 25-30 डिग्री से तापक्रम एवं आर्द्रता 60% से कम अच्छी बढ़वार के लिये उपयुक्त।

पहाड़ के ढलान वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त - कम पानी वाले क्षेत्रों में आसानी से खेती - बाजार में अत्यधिक मांग एवं उचित दाम - छोटी जोतों के लिए उपयुक्त यहां होता है उपयोग जिरेनियम के तेल में गुलाब के तेल जैसी खुशबू आती है। इसका प्रयोग साबुन, सौंदर्य प्रसाधन, उच्च स्तरीय इत्र व तंबाकू के साथ ऐरोमाथिरेपी में किया जाता है।

दोमट भूमि, पी.एच.-5.5-8.0, जीवांश पदार्थ की अधिकता एवं समुचित जल निकास की व्यवस्था वाली मृदा उपयुक्त रहती है। प्रवर्धन 12-15 सेमी. लम्बी, रोग मुक्त 3-4 गांठों वाली शाकीय कटिंग से पौधें तैयार किये जाते है।

पौध रोपण एवं भूमि खेत की अच्छी जुताई करने के पश्चात् उसमें सड़ी हुई 10-15 टन गोबर की खाद मिलाकर सुविधाजनक आकार की क्यारियों में रोपाई 50ग50 सेमी. की दूरी पर करनी चाहिए। जिरेनियम उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में नवम्बर से जनवरी के मध्य लगाते है।

60 किग्रा. फास्फोरस, 40 किग्रा. पोटाश प्रति हे. के हिसाब से अन्तिम जुताई के समय मिला देना चाहिए। नत्रजन को तीन बार 50 किग्रा. प्रति हे. की दर से 20-25 दिन के अन्तराल पर डालना चाहिए। एक हे. में कुल 150 किग्रा. नत्रजन पड़ती है।

100-120 दिन की फसल होने के बाद कटाई करते है। दूसरी कटाई पहली कटाई के 60-90 दिनों के बाद करते है। ऊपर से 20-30 सेमी. तक केवल हरी शाखाओं को काटना चाहिए। कटाई के बाद कटे हुए पौधों पर ताँबायुक्त फफूँदी नाशक दवाओं का छिड़काव करना चाहिए।

जिस औषधीय पौधे का हिंदी, यूनानी और व्यापारिक नाम गिलोय है और आयुर्वेदिक नाम है अमृता और गुडुची, उसका वैज्ञानिक नाम टीनोस्पोरा कोर्डिफोली है। इसके संपूर्ण पादप चिकित्सीय उपयोगी भाग हैं तना और जड़।

गिलोय को आयुर्वेद में अमृता, गुडुची, चनांगी, आदि कई नामों से जाना जाता है। गिलोय एक लिवर टॉनिक है और इसमें मूत्रवर्धक और कामोद्दीपक गुण होते हैं। यह मलेरिया और जीर्ण ज्वर में प्रयुक्त होने वाला लता पादप है। इसका उपयोग सामान्यत: दुर्बलता, शूण, बुखार, गूत्र विकार, मधुमेह, गठिया और अपच में किया जाता है। आयुर्वेद साहित्य में इसे ज्वर की महान औषिधी माना गया है एवं जीवन्तिका नाम दिया गया है। इसके ताजे पौधे, सूखे पौधे की तुलना में अधिक प्रभावी होते हैं।

गिलोय की लता जंगलों, खेतों की मेड़ों, पहाड़ों की चट्टानों आदि स्थानों पर सामान्यत: कुण्डलाकार चढ़ती पाई जाती है। नीम एवं आम के वृक्षों के आरा-पारा भी यह मिलती है। जिरा वृक्ष को यह अपना आधार बनाती है, उसके गुण भी इसमें समाहित रहते हैं। इस दृष्टि से नीम पर चढ़ी गिलोय श्रेष्ठ औषिधी मानी जाती है। इसका तना छोटी अंगुली से लेकर अंगूठे जितना मोटा होता है। इसमें से स्थान-स्थान पर जड़ें निकलकर नीचे की ओर झूलती रहती हैं। चट्टानों अथवा खेतों की मेड़ों पर जड़ें जमीन में घुसकर अन्य लताओं को जन्म देती हैं।

बेल की ऊपरी छाल बहुत पतली, भूरे या धूसर वर्ण की होती है, जिसे हटा देने पर भीतर का हरित मांसल भाग दिखाई देने लगता है। काटने पर अन्तर्भाग चक्राकार दिखाई पड़ता है। पत्ते हृदय के आकार के, खाने के पान जैसे, एकान्तर क्रम में व्यवस्थित होते हैं। पत्ते लगभग 2 से 4 इंच तक व्यारा के स्निग्ध होते हैं तथा इनमें 7 से 9 नाड़ियाँ होती हैं। पत्र-डण्ठल लगभग 1 से 3 इंच लंबा होता है। फूल ग्रीष्म ऋतु में छोटे-छोटे पीले रंग के गुच्छों में आते हैं। फूल पीले, उभयलिंगी, 2 मिमी से कम आकार के होते हैं। फल पकने पर रक्त के समान लाल हो जाते हैं। बीज सफेद, चिकने, कुछ टेढ़े मिर्च के दानों के समान होते हैं। इसमें फूल मई-जून माह में आते हैं और सितंबर-अक्टूबर में फलन होता है।

यह भारत की स्थानीय प्रजाति है। समुद्र तल से 600 मी. ऊँचाई तक भी पायी जाती है। यह पादप सामान्यत: उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है। हल्की मध्यम रेतीली-दोमट मिट्टी और पर्याप्त जल निकासी चाली मृदा इसकी खेती के लिए उपयुक्त होती है। यह पादप उच्च वर्षा या जलभराव को सहन नहीं कर राकता है।

इस पादप की वाणिज्यिक फसल के लिए स्टेम कटिंग सबसे उपयुक्त रोपण सामग्री है। जून-जुलाई में मातृ पौधों से कटिंग प्राप्त की जा राकती है। पौधे को बीज द्वारा भी उगाया जा सकता है, लेकिन बीज द्वारा पौधे तैयार होने मे कटिंग से लगभग दोगुना समय लगता है।

जून-जुलाई माह में पुराने तनों से कटिंग प्राप्त कर सीधे खेत में लगायी जा सकती है। एक हेक्टेयर भूमि में लगभग 2500 कटिंग्स की आवश्यकता होती है। खेत को सर्वप्रथम खरपतवार मुक्त किया जाता है। उसके बाद 10 टन FYM और नाइट्रोजन की 75 किग्रा मात्रा प्रति हेक्टेयर डाली जाती है। बेहतर पैदावार के लिए 3 मी. × 3 मी. की दूरी उचित मानी जाती है। पौधे को बढ़ने के लिए आधार की आवश्यकता होती है, इसलिये लकड़ी की खपचियों का राहारा दिया जाता है। पौधों के विकास के शुरुआती चरणों के दौरान रिक्त स्थान को लगातार निराई करके खरपतवार रहित रखना चाहिए। फसल वर्षा आधारित परिस्थितियों में लगाई जाती है, हालांकि कभी-कभी अधिक ठंड और गर्मी के दौरान सिंचाई फसल को प्रतिकूल परिस्थितियों से बचाने में मदद कर सकती है।